R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 51
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
गुरुवार, 30 अक्टूबर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 जिलाधिकारी प्रयागराज की हाईकोर्ट बार ... 5 जनपद में शुरू होगा विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण अभियान 7 100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई 'थामा', ...

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में पकड़े जाने का किया गया था दावा, उस महिला पायलट को राफेल में लेकर उड़ी राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने आज सुबह हरियाणा के अंबाला एयरफोर्स स्टेशन से राफल फाइटर जेट में उड़ान भरकर इतिहास रच दिया। इस दौरान एयर चीफ मार्शल एपी सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। यह उड़ान ना केवल उनकी साहसिक

नेतृत्व शैली का प्रतीक बल्कि भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी दुनिया के सामने प्रदर्शित करती है। इससे पहले 8 अप्रैल 2023 को राष्ट्रपति मुर्मू ने असम के तेजपुर एयरफोर्स स्टेशन से सुखोई 30 एमकेआई फाइटर विमान में उड़ान भरी थी। इसके साथ ही वह फाइटर जेट में उड़ान भरने वाली तीसरी राष्ट्रपति और दूसरी महिला राष्ट्रपति बनी। उनसे पहले पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम और प्रतिभा पाटिल ने भी सुखोई 30 एमकेआई फाइटर विमान में उड़ाने भरी थी। लेकिन अब राफेल फाइटर जेट में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने उड़ान भरकर इतिहास रच दिया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू स्क्वाड्रन लीडर शिवांगी सिंह के साथ नजर आई जिनके बारे में पाकिस्तानी प्रभावकों और मीडिया ने दावा किया था कि उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने पकड़ लिया था। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान स्क्वाड्रन लीडर शिवांगी सिंह को लेकर लगातार झूठा प्रोपेगैंडा फैला रहा था। आपको बता दें कि फ्रेंच एयरफोर्स कंपनी डिसॉल्ट एिएशन द्वारा बनाए गए राफेल फाइटर एयरक्राफ्ट को सितंबर 2020 में अंबाला एयरफोर्स स्टेशन पर इंडियन एयरफोर्स में औपचारिक रूप से शामिल किया गया था। पहले पांच राफेल एयरक्राफ्ट जो 27 जुलाई 2020 को फ्रांस से आए थे उन्हें 17 स्क्वाडन गोल्डन एरो में शामिल किया गया था। राफेल फाइटर जेट में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की यह उड़ान इसलिए भी बड़ी है क्योंकि बीते कुछ वक्त में इस विमान ने कई बड़े कारनामे किए हैं। राफेल जेट्स का इस्तेमाल ऑपरेशन सिंदूर में भी किया गया था। जिसने 7 मई को पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाकों में कई आतंकी ठिकानों को तबाह किया था।

पत्नी ने पति और परिवार पर करवाया रेप का केस बोली-पुलिस भी उसके साथ, सास बोली-बहु मेरा पैसा और मकान हड़पना चाहती है

भोपाल **(एजेंसी)**। इंदौर में पारिवारिक विवाद के चलते एक बार फिर सास-बहू के बीच विवाद का मामला सामने आया है। इंदौर के लसूडिया थाना क्षेत्र में 62 वर्षीय महिला ने अपनी बहू पर घर में जबरन घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने सास की शिकायत पर बहू के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, लसूडिया क्षेत्र की रहने वाली वृद्ध महिला ने

पुलिस को बताया कि उनके बेटे की शादी मई 2022 में गाजियाबाद की एक युवती से हुई थी। अगस्त 2022 में बहू गाजियाबाद लौट गई थी और दोनों के बीच चल रहे विवाद के मामले वर्तमान में कोर्ट में लंबित हैं।

विवादों के चलते सास ने अपने बेटे और बहू दोनों को अपनी संपत्ति से बेदखल कर कार्रवाई की थी। शिकायत के मुताबिक, 19 अक्टूबर 2025 की सुबह करीब 9 बजे बहू अपनी एक परिचित महिला के साथ उनके घर में रसोईघर के रास्ते से जबरन घुस आई।

आरोप है कि रोकने पर उसने सास के साथ हाथापाई की, जिससे सास के चेहरे पर चोट आई और गले की सोने की चेन टूट गई। आरोप है कि बहू कब्जा करने की नीयत से घर के ऊपर वाले कमरे में भीतर से गेट बंद कर रहने लगी। मामला दर्ज होने के बाद बहू ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल कर पुलिस पर पैसे लेकर कार्रवाई करने का आरोप लगाया था। इसी के साथ उसने पुलिस , अपने पति सहित अन्य लोगों पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस के अनुसार, पहले भी महिला ने वीडियो जारी कर खुद को पीड़ित बताया था, जबकि बाद में उसने एक और वीडियो में पुलिस की कार्रवाई से संतुष्टि जताई थी। फरियादी सास का कहना है कि बहू पहले भी गाजियाबाद में उनके परिवार के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज करा चुकी है और लगातार उन्हें परेशान कर रही है। जबकी दूसरी ओर बहू का कहना है कि पति और सास उस पर घर खाली करने का दबाव बना रहे हैं। सास पैसे के दम पर उसे प्रताड़ित कर रही है , उसकी सुनने वाला कोई नहीं हैं, न कोई उसकी मदद कर रह है। फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्षों के बयानों के आधार पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इसी सीवान में एसिड उड़ेलने का काम हुआ था, शहाबुद्दीन के गढ़ में गरजे सीएम योगी

पटना **(एजेंसी)**। बिहार चुनाव प्रचार करने सीएम योगी आदित्यनाथ आज बाहुबली रहे शहाबुद्दीन का गढ़ सीवान पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि इसी सीवान में एसिड उड़ेलने का काम हुआ था। सीएम योगी ने कहा कि यह अपराधी फिर से जीवित न होने पाएं। यह कांग्रेस को, आरजेडी और समाजवादी पार्टी जैसे दलों को शोभा दे सकता है कि वह किसी पेशेवर अपराधी

और माफिया को गले लगाकर के किसी बाबर और किसी औरंगजेब की मजार में जाकर के सजदा पढ़ें, लेकिन यह किसी सच्चे भारतीय को शोभा नहीं देता है, यह नहीं देता है। उन्होंने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं आरजेडी ने राम मंदिर के रथ को रोकने का पाप किया था, कांग्रेस कहता था कि राम तो हुए ही नहीं, इनका पार्टनर समाजवादी पार्टी यूपी में रामभक्तों पर गोलिया चलाती है। इन्हें जब भी अवसर मिला एक को यूपी के अंदर और एक ने बिहार के अंदर युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा किया। आज हर बिहारी सीना तान कर के देश-दुनिया में जाता है औ? अपनी पहचान को प्रस्तुत करता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने राफेल में भरी ऐतिहासिक उड़ान ऐसा करने वाली पहली भारतीय प्रेसिडेंट बनीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को हरियाणा के अंबाला स्थित वायुसेना स्टेशन पर राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरने वाली पहली भारतीय राष्ट्रपति बनीं। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल विमानों का विशेष रूप से इस्तेमाल किया गया था। इससे पहले, पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम और प्रतिभा पाटिल दोनों ने लड़ाकू विमानों में उड़ान भरी थी। कलाम और पाटिल ने सुखोई-30 एमकेआई में उड़ान भरी थी। मुर्मू ने स्वयं 8 अप्रैल, 2023 को सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी, जिससे वह ऐसा करने वाली भारत की तीसरी राष्ट्रपति बन गईं।

ग्रुप कैप्टन अमित गेहानी राष्ट्रपति को ले जाने वाले विमान के पायलट थे। वह भारतीय वायुसेना की 17वीं स्क्वाड्रन, 'गोल्डन एरोज़' के कमांडिंग ऑफिसर (सीओ) भी हैं। भारतीय वायुसेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने भी राष्ट्रपति को ले जाने वाले विमान को एस्कॉर्ट करने के लिए एक अन्य विमान में उड़ान भरी। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को इस संबंध में एक बयान जारी किया। इसमें लिखा था, 'भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हरियाणा के अंबाला जाएँगी, जहाँ वह राफेल में उड़ान भरेंगी।'

गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में राफेल विमानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

2023 में, राष्ट्रपति मुर्मू असम के तेज़पुर वायुसेना स्टेशन पर भारतीय वायु सेना के सुखोई-30एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भरीं। सुरक्षित बेस पर लौटने से पहले, उन्होंने ब्रह्मपुत्र नदी और तेज़पुर घाटी के ऊपर लगभग 30 मिनट हवा में बिताए।

पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम और प्रतिभा पाटिल, दोनों ने पुणे के पास लोहेगांव वायुसेना स्टेशन पर सुखोई-30एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी - कलाम ने 8 जून, 2006 को और पाटिल ने 25 नवंबर, 2009 को।

भारतीय राफेल विमान उन्नत बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान हैं जिन्हें भारतीय वायु सेना ने फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन से प्राप्त किया है। भारत ने 2016 में 36 राफेल जेट विमानों की खरीद के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिससे मेटियोर एयर-टू-एयर मिसाइलों, स्कैल्प क्रूज़ मिसाइलों और उन्नत रडार प्रणालियों सहित अत्याधुनिक तकनीक के साथ अपनी हवाई युद्ध क्षमताओं को बढ़ाया जा सकेगा।

ये विमान हवाई श्रेष्ठता, ज़मीनी हमले और टोही अभियानों में सक्षम हैं। राफेल भारत की रक्षा क्षमता को, विशेष रूप से क्षेत्रीय खतरों के विरुद्ध, महत्वपूर्ण रूप से मज़बूत करते हैं।

नर्मदा नदी में छोड़े जाएंगे मगरमच्छ मध्यप्रदेश सरकार संरक्षण के लिए है प्रतिबद्ध : मोहन यादव

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार मां नर्मदा के पवित्र वाहन माने जाने वाले मगरमच्छों को इस नदी में छोड़ने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रही है। नर्मदा नदी का प्रवाह मगरमच्छों के आवास के लिए बेहद अनुकूल माना जाता है। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि बृहस्पतिवार को इन सरीसृपों को नदी में छोड़ा जाएगा। यादव इस उद्देश्य के लिए बृहस्पतिवार को खंडवा जिले के नर्मदानगर का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सभी प्रजातियों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य में वन्यजीवों और जलीय प्रजातियों, जिनमें घड़ियाल और मगरमच्छ शामिल हैं, की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। पिछले साल चंबल नदी में घड़ियाल छोड़े गए थे। यादव ने कहा कि राज्य में सभी वन्यजीव प्रजातियों के संरक्षण के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में मानव और वन्यजीव एक-दूसरे पर निर्भर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि मगरमच्छों को नर्मदा नदी में ऐसे स्थान पर छोड़ा जाए जहां वे लोगों के लिए कोई खतरा न बनें। उन्होंने कहा कि मगरमच्छों की उपस्थिति मां नर्मदा के लिए शुभ होगी और नदी के जल प्रवाह को मजबूत करेगी।

जिलाधिकारी ने सुनी जन समस्या साथ कई पटलों का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर। जिले के जिलाधिकारी शिव शरणप्पा जीएन द्वारा अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्ञान प्रकाश की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में जनता की समस्याओं की सुनवाई की गयी। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि कलेक्ट्रेट जनता की समस्याओं के समाधान का केन्द्र है। प्रत्येक अधिकारी/कर्मचारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी नागरिक निराश होकर वापस न जाये। हर व्यक्ति के साथ संवेदनशीलता, सम्मान और तत्परता से समस्याओं का निस्तारण करायें तथा उनके साथ अच्छा व्यवहार किया जाये। जन सुनवाई के पश्चात् जिलाधिकारी शिव शरणप्पा जीएन द्वारा अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्ञान प्रकाश व मजिस्ट्रेट शशांक शेखर राय के साथ कलेक्ट्रेट के समस्त पटलों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलों में अभिलेख सुव्यवस्थित एवं संधारित अवस्था में पाए गए तथा कार्यालय परिसर में स्वच्छता व्यवस्था सन्तोष जनक पाई गई। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वह समय से अपने कार्यालय में उपस्थित होकर अपने कार्यों का निष्ठापूर्वक एवं पारदर्शिता के साथ निष्पादन करेंगे। कोई भी पत्रावली लम्बित न रहे।

पराली में आग लगाओगे तो बंजर भूमि पाओगे

सिद्धार्थनगर। जिले मे खरीफ फसल के कटाई प्रारंभ हो गयी है जिससे प्रदूषण बढ़ने की समस्या भी प्रारंभ हो गयी है इसी के तहत जनपद मे पराली को जलाने से रोकने के लिए प्रत्येक न्याय पंचायत मे गोष्ठी का आयोजन किया गया। न्याय पंचायत बरगदी मिठवल मे कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमे लगभग 65 किसानो ने प्रतिभाग किया कार्यक्रम के प्रभारी बीटीएम दुर्गाशंकर मिश्र ने फसल अवशेष के प्रबंधन के बारे मे विस्तार पूर्वक बताया।कार्यक्रम मे उपस्थित सभी किसानो ने पराली ना जलाने की शपथ भी ली।

बिहार में सीएम की सीट खाली नहीं, लालू और राबड़ी की सरकार ने बिहार को किया तहस नहस

पटना **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को स्पष्ट रूप से कहा कि राजनीति में कोई सीट खाली नहीं होती। बिहार में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि सीएम या पीएम के लिए कोई सीट खाली नहीं है। इधर नीतीश कुमार हैं, उधर पीएम मोदी हैं। शाह का यह बयान विपक्षी खेमे में नेतृत्व की महत्वाकांक्षाओं को लेकर चल रही अटकलों के बीच आया है। नीतीश कुमार के बिहार के मुख्यमंत्री बने रहने और नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बने रहने पर ज़ोर देकर शाह ने राज्य में किसी भी राजनीतिक बदलाव या नए सत्ता समीकरण की अफवाहों पर विराम लगाने की कोशिश की। अपने भाषण के दौरान, शाह ने बिहार की छवि निखारने और पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न प्रदान करके राज्य की विरासत का सम्मान करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह कदम भारत के लोकतांत्रिक और सामाजिक विकास में बिहार के योगदान के प्रति केंद्र के सम्मान को दर्शाता है।

केंद्र के कड़े फैसलों की सराहना करते हुए, अमित शाह ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और इस बात पर भी ज़ोर दिया कि सरकार ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर प्रतिबंध लगा दिया है और उसके सदस्यों को हिरासत में ले लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने बिहार की जनता से आगामी विधानसभा चुनावों में एनडीए की निर्णायक जीत सुनिश्चित करने का आग्रह किया। शाह ने कहा, 'पहले चरण का मतदान 6 नवंबर को है। क्या आप सभी हमें वोट देंगे? आइए, दरभंगा की सभी 10 सीटों पर एनडीए को जिताने का संकल्प लें। मिथिला की बेटी मैथिली ठाकुर यहाँ से चुनाव लड़ रही हैं और मैं लालू यादव की पार्टी को बताना चाहता हूँ कि मैथिली ठाकुर ही जीतेंगी।

राम मंदिर निर्माण का ज़िक्र करते हुए शाह ने कहा वर्षों तक भगवान राम एक तंबू में रहे। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने कभी मंदिर नहीं बनने दिया। लेकिन जब प्रधानमंत्री मोदी सत्ता में आए, तो उन्होंने अपना वादा पूरा किया। अब हमें मिथिला में देवी सीता का मंदिर बनाना चाहिए और राम सर्किट के ज़रिए उन सभी जगहों को जोड़ना चाहिए जहाँ वे गई थीं। बाद में, शांतिपुर में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि बिहार को नीतीश कुमार और चिराग पासवान के नेतृत्व के साथ-साथ प्रधानमंत्री मोदी का आशीर्वाद प्राप्त है, जिससे राज्य में राजग की स्थिति मजबूत होगी।

1-2 बादल थे वो भी गए, क्यों फेल हुई क्लाउड सीडिंग?

आईआईटी कानपुर के साइंटिस्ट ने बताया बारिश नहीं होने पर विपक्ष ने घेरा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जहरीली गैस का चेंबर बनी दिल्ली को इससे राहत दिलाने के लिए की गई कृत्रिम बारिश यानी क्लाउड सीडिंग की कोशिश पूरी तरह सफल नहीं हो सकी। इस कारण टारगेट किए गए इलाकों में बारिश नहीं हो पाई। दिल्ली में क्लाउड सीडिंग का पूरा काम आईआईटी कानपुर की तरफ से किया जा रहा है। बीते दिन कानपुर से एयरक्राफ्ट ने उड़ान भरी। शाम होते-होते सीडिंग पूरी कर ली गई थी। ऐसा माना जा रहा था कि कुछ ही घंटों में बारिश शुरू हो जाएगी। हालांकि ऐसा नहीं हो पाया। आईआईटी कानपुर के इस प्रयोग में 14 फ्लेयर्स दागे गए। हर फ्लेयर में 20इ सिल्वर, आयोडाइड और बाकी रॉक साल्ट और सामान्य नमक का मिक्सचर था।

दिल्ली में हाल ही में हुए क्लाउड सीडिंग परीक्षण परीक्षण गंभीर वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार और आईआईटी कानपुर के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है। इस परीक्षण में आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रोफेसर मनेंद्र अग्रवाल के विचार भी शामिल हैं। प्रोफेसर अग्रवाल ने कहा कि हम शुरू से ही कहते आ रहे हैं कि बारिश के लिए हमें उचित मात्रा में नमी वाले बादलों की आवश्यकता होती है। कम नमी के स्तर के कारण पर्याप्त वर्षा न होने के बावजूद, इस प्रयोग को एक महत्वपूर्ण आँकड़े जुटाने की प्रक्रिया के रूप में सराहा जा रहा है। यह पहली बार था जब भारत में सर्दियों के दौरान प्रदूषण को विशेष रूप से लक्षित करने के लिए क्लाउड सीडिंग का प्रयास किया गया था। लगभग 50-60 लाख रुपये की लागत वाले इस परीक्षण की प्रभावशीलता पर राजनीतिक सवाल उठे थे, लेकिन वैज्ञानिकों ने पीएम 2.5 और पीएम 10 कणों में 6 से 10 प्रतिशत की कमी दर्ज की, जिससे दिल्ली की जहरीली हवा को साफ करने के भविष्य के प्रयासों के लिए एक मूल्यवान आधार मिला।

उन्होंने कहा कि एक बार फिर बारिश कराने के लिए प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बारिश के पूर्वानुमानों के बारे में अलग-अलग रिपोर्ट सामने आई थी। कुछ का कहना था कि बारिश होगी। कुछ का कहना था बारिश नहीं होगी। इसके बाद हमारी टीम ने पाया कि बादलों में नमी की मात्रा बहुत कम है। इस लिहाज से पहले से ही माना जा रहा था कि बारिश नहीं होगी। अग्रवाल आगे बताते हैं कि और दो उड़ानों के जरिए क्लाउड सीडिंग कराई जाएगी। सबसे पहले रसायनों का छिड़काव करने के लिए एक विमान ने कानपुर से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। विमान ने दिल्ली के बुराड़ी, उत्तरी करोल बाग और मयूर विहार सहित कई इलाकों में रसायनों का छिड़काव किया। आठ इलाकों में यह रसायनों का छिड़काव किया गया था। हर छिड़काव किए गए रसायन का वजन 2.5 किग्र था और परीक्षण आधे घंटे तक चला। राजधानी को प्रदूषण से राहत दिलाने के लिए कृत्रिम बारिश कराने का यह प्रयोग किया गया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जनता को बेवकूफ बनाने के लिए सरकार ने आर्टिफिशियल रेन की बात की। 27 अक्टूबर को बादल थे और उन्हीं को देखकर इन्होंने कृत्रिम बारिश की बात की। वैज्ञानिकों ने कहा है कि क्लाउड सीडिंग होते ही 15 मिनट में बारिश हो जाती है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इन्होंने उस टाइम को बढ़ा लिया। कहीं भी एक बूंद बारिश नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जब आप जानते थे कि दिल्ली में कृत्रिम बारिश नहीं हो सकती तो फिर ये सर्कस क्यों खड़ा किया गया। करोड़ों रुपए खर्च किए गए।

केरल में पीएम श्री योजना पर घमासान सीपीआई बोली 'संघ परिवार की नीति' विजयन सरकार ने लगाई रोक

कोच्चि **(एजेंसी)**। केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के भीतर दरार तब और गहरी हो गई जब भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के मंत्रियों ने बुधवार को राज्य कैबिनेट की बैठक का बहिष्कार करने की धमकी दी, क्योंकि सरकार ने केंद्र की पीएम श्री योजना पर बिना पूर्व परामर्श के हस्ताक्षर कर दिए थे। कैबिनेट में सीपीआई के चार मंत्री हैं और बैठक में शामिल न होने के उनके फैसले के कारण सरकार को सत्र शाम तक स्थगित करना पड़ा। यह संकट एलडीएफ के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है, खासकर स्थानीय निकाय चुनावों के करीब आने के साथ। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने तनाव कम करने के लिए अलप्पुझा में सीपीआई के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम और सीपीआई के मंत्रियों के साथ एक बैठक बुलाई थी, लेकिन बातचीत से कोई समाधान नहीं निकला। सीपीआई ने मांग की है कि राज्य इस योजना से हट जाए, क्योंकि उसका दावा है कि यह केरल की शिक्षा नीति को संघ परिवार के संगठनों की शिक्षा नीति के अनुरूप बनाती है। यह संकट तब उत्पन्न हुआ जब मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री ने कैबिनेट की मंजूरी के बिना ही पीएम श्री योजना पर हस्ताक्षर कर दिए। नुकसान की भरपाई के लिए, राज्य सरकार ने अब इस योजना के क्रियान्वयन पर अस्थायी रूप से रोक लगाने और केंद्र को इसकी सूचना देने का फैसला किया है। माकपा ने अपने सहयोगी दल को यह भी आश्वासन दिया है कि इस मुद्दे की समीक्षा के लिए एक कैबिनेट उपसमिति का गठन किया जाएगा।

अवैध गांजा के साथ सात अंतरराज्यीय गांजा तस्कर गिफ्तार

कौशाम्बी। जिले की सैनी कोतवाली पुलिस टीम, आबकारी एवं एनटीएफ (एण्टीं नारकोटिक्स टास्क फोर्स) बाराबंकी की संयुक्त कार्यवाही में 07 अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर अरेस्ट किए गए है, अरेस्ट किए गए गांजा तस्करों के कब्जे से टीम ने 59 किलो 245 ग्राम गांजा (अनुमानित कीमत 15 लाख रू0) बरामद किया है, टीम ने आरोपियों के पास से दो बाइक, एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा और 15750 रुपया नगद और 6 मोबाइल भी बरामद किया है। पुलिस टीम आरोपियों से पूछताछ में जुटी हुई है।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में स्थित विभागों/पटलों का किया निरीक्षण

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में स्थित विभागों/पटलों का निरीक्षण किया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने राजस्व अभिलेखागार के निरीक्षण के दौरान आर.आर.के. अशोक कुमार से कार्यों कि जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि समयबद्ध नकल जारी किया जाय, कोई नकल लम्बित न रखा जाय। उन्होंने शस्त्र अनुभाग, नजारत, संग्रह अनुभाग, आई.जी.आर.एस., निर्वाचन कार्यालय, चकबंदी कार्यालय, आबकारी कार्यालय, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन कार्यालय आदि के निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि पत्रावलियों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित किया जाय, पत्रावलियों को लंबित न रखा जाय।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि आमजन से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय। अभिलेखों का रखरखाव व्यवस्थित तरीके से सुनिश्चित किया जाय। कार्यालय की साफ-सफाई बेहतर रखी जाय। उन्होंने सभी पटल सहायकों को नेम प्लेट लगाने के निर्देश दिए।

रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन 31 अक्टूबर को

कौशाम्बी। जिला खेल कार्यालय कौशाम्बी द्वारा लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय अखण्डता दिवस पर रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन 31 अक्टूबर, 2025 को प्रातः 07 बजे जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया जा रहा है।

ज्ञात हो कि यह जानकारी उप क्रीड़ाधिकारी अजय प्रताप साहू ने देते हुए अधिक से अधिक खिलाड़ियों/गणमान व्यक्तियों से प्रतिभाग करने का आग्रह किया है।

हादसे में घायल युवक की मौत बहन ने दर्ज कराया मुकदमा

कौशाम्बी। बड़नपुर घाटपुर निवासी राजकुमार 23 अक्तूबर को हादसे में घायल हो गया था। रविवार को इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। मंगलवार को बहन रीता देवी ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। 23 अक्तूबर की शाम राजकुमार बाइक से अपने घर से बुआ के घर जगन्नाथपुर जा रहा था। जैसे ही वह उदहिन बुजुर्ग प्राथमिक विद्यालय के पास पहुंचा तभी धाता की ओर से आ रही दूसरी बाइक से आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में राजकुमार घायल हो गया। प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल उसका इलाज चल रहा था। रविवार को उसकी मौत हो गई। मंगलवार को बहन ने महेश निवासी देवरा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अंकित सिंह यादव का रवि किशन पर पलटवार

भोजपुरी सिनेमा को कलंकित करने वाले बोलें नहीं तो बेहतर होगा : अंकित सिंह यादव

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। बिहार चुनाव के बीच भोजपुरी के दो अभिनेता आमने सामने आ गए हैं। गोरखपुर से बीजेपी सांसद व अभिनेता रवि किशन ने छपरा से आरजेडी प्रत्याशी और भोजपुरी अभिनेता खेसारी लाल यादव पर जोरदार हमला किया और उनका नाम लिए बिना निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों ने भोजपुरी को बेच दिया। उनसे पूछना चाहिए कि आज भोजपुरी सिनेमा का ये हाल किसने किया ? भोजपुरी सिनेमा में सनातन का नाम लेकर भोजपुरी सिनेमा में सब कुछ किया कमाया खाया.. आज भोजपुरी इंडस्ट्री बंद हो गया है। भोजपुरी इंडस्ट्री को जो हम राष्ट्रीय पुरस्कार दिलवा कर चले थे, इन लोगों को मशाल दिए और हम सदन में क्या चले गए इन लोगों ने भोजपुरी इंडस्ट्री को बेच दिया। इन लोगों से पूछना चाहिए कि भोजपुरी इंडस्ट्री बंद क्यों हो गई, क्यों काम बंद हो गया? जहां मेरी फिल्में उसी छपरा और पूरे बिहार में सिल्वर जुबली करती थी। वहां आज एक दर्शक नहीं है। उसका कारण कौन है? किसने भोजपुरी को बदनाम किया? किसने भोजपुरी की ये हालत की

? आज वो लोग जवाब दें ?

इस बयान पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं युवा रंगकर्मी अंकित सिंह यादव ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुये कहा की रवि किशन जैसे कलाकार जो खुद वर्षों तक भोजपुरी फिल्मों में दोहरे अर्थ वाले संवाद और सस्ती मनोरंजन संस्कृति को बढ़ावा देते रहे, आज वही किसी और को संस्कार सिखा रहे हैं, यह दोहरापन है। भोजपुरी सिनेमा किसी एक व्यक्ति की बपौती नहीं है, यह पूरे पूर्वांचल और बिहार-उत्तर प्रदेश की अस्मिता का प्रतीक है।

श्री यादव ने कहा कि भोजपुरी सिनेमा को खत्म करने की बात करने वाले नहीं, बल्कि उसे राजनीति का मंच बनाकर बदनाम करने वाले असली दोषी हैं। खेसारी लाल यादव आज उस युवा पीढ़ी की आवाज हैं जो मेहनत से मुकाम तक पहुंची है। उन पर धर्म विरोधी होने का आरोप लगाना न केवल असत्य है बल्कि भोजपुरी कलाकारों का अपमान भी है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री यादव ने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि भोजपुरी संस्कृति को भाजपा ने सिर्फ वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल किया है। जो लोग संस्कृति की बात करते हैं, उन्हें पहले अपने शब्दों में शालीनता और व्यवहार में मर्यादा लानी चाहिए।

उन्होंने अंत में कहा कि कांग्रेस पार्टी भोजपुरी कलाकारों, साहित्यकारों और सांस्कृतिक कर्मियों के साथ खड़ी है। हम भोजपुरी भाषा और कला को किसी राजनीतिक स्वार्थ का साधन नहीं बनने देंगे।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत एक दिवसीय सेंसटाइजेशन वर्कशॉप कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद (प्रयागराज) में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत एक दिवसीय सेंसटाइजेशन वर्कशॉप कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के सेमिनार हाल में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों एवं अधिकारियों में सतर्कता, पारदर्शिता तथा नैतिक आचरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रोफेसर रवि प्रकाश तिवारी द्वारा किया गया, जिन्होंने आए हुए अतिथियों का श्रीफल देकर सम्मान किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री एस. डी. कपूर, रिटायर्ड प्रिंसिपल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट ए जी ऑफिस तथा श्री देवेंद्र दत्त मिश्रा (डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर यूपीएमआरसी लखनऊ) रहे।

अपने संबोधन में श्री एस. डी. कपूर ने प्रीवेंटिव विजिलेंस तथा प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि कैसे सतर्कता अपनाकर भ्रष्टाचार की संभावनाओं को कम किया जा सकता है। इसके पश्चात श्री देवेंद्र दत्त मिश्रा ने अपने व्यावहारिक अनुभव साझा करते हुए प्रोक्योरमेंट एंड कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट विषय पर उपयोगी जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन सहायक कुल सचिव श्री सत्यजीत कुमार एवम श्री प्रमोद कुमार द्विवेदी ने कुशलतापूर्वक किया। अंत में सहायक निदेशक (राजभाषा) श्री प्रमोद कुमार द्विवेदी ने अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर संस्थान के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकगण, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा तथा प्रशासनिक जवाबदेही के महत्व से अवगत कराया।

डीएलएड, बीटीसी परीक्षा 900 परीक्षार्थियों ने छोडी

शिवचरणक्षा दास कन्हैया लाल इंटर कॉलेज के स्थान पर दौलत हुसैन इंटर कॉलेज बना नया परीक्षा केंद्र

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। डीएलएड, बीटीसी परीक्षा वर्ष - 2025 प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा जो 27 अक्टूबर से जनपद के 16 परीक्षा केंद्रो पर प्रारंभ हुई थी आज आज संपन्न हुई। प्रथम पाली में प्रातः 10 से 11 बजे बजे के मध्य 4777 पंजीकृत परीक्षार्थियों के सापेक्ष 4539 परीक्षार्थी की उपस्थित हुए तथा 238 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में 11:30 बजे से 12:30 बजेके मध्य परीक्षा में कुल 4484 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिसमें से 4282 परीक्षार्थी परीक्षा के लिए उपस्थित हुए तथा 202 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे । वहीं तीसरी पाली में दोपहर 2 से 3 के बीच कुल 4472 पंजीकृत परीक्षार्थियों के सापेक्ष 4012 परीक्षार्थी उपस्थित हुए तथा 460 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे । इस दौरान अलग - अलग सत्रों में कुल 900 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड दी है।

परीक्षा को सकुशल, नकल विहीन एवं सुचिता पूर्ण ढंग से संपादित कराए जाने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर दो पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई थी जिसमें से एक प्रवक्ता डायट प्रयागराज से तथा एक प्रवक्ता राजकीय इंटर कॉलेजो से लगाए गए थे । उप शिक्षा निदेशक / प्राचार्य डायट राजेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में सचल दल ने कई परीक्षा केंद्रो का भ्रमण किया जिसमें जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज, कर्नलगंज इंटर कॉलेज, क्रॉस्थवेट गर्ल्स इंटर कॉलेज एवं अग्रसेन इंटर कॉलेज शामिल रहे, जहाँ परीक्षा सुचारू एवं नकल विहीन ढंग से संचालित होती पाई गई ।

उप शिक्षा निदेशक / प्राचार्य डायट राजेन्द्र प्रताप ने बताया कि 30 अक्टूबर से तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा प्रारंभ हो रही है, जो 30 अक्टूबर, 31 अक्टूबर और 3 नवंबर को जनपद के 14 परीक्षा केंद्रो पर संपन्न होगी । उक्त हेतु पूर्व निर्धारित परीक्षा शिवचरणक्षा दास कन्हैया लाल इंटर कॉलेज के स्थान पर सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी ने दौलत हुसैन इंटर कॉलेज को नवीन परीक्षा केंद्र बनाया गया है जिसकी सूचना सभी डीएलएड संस्थाओं एवं छात्रों को पत्र एवं विज्ञप्ति के माध्यम से दी जा चुकी है । उप शिक्षा निदेशक / प्राचार्य डायट राजेन्द्र प्रताप ने बताया कि प्रथम सेमेस्टर की संपूर्ण परीक्षा नकल विहीन एवं सुचिता पूर्ण ढंग से उप शिक्षा निदेशक / प्राचार्य डायट प्रयागराज की अध्यक्षता में सकुशल संपन्न हुई ।

प्रोफेसर पद पर पदोन्नति होने पर महाविद्यालय परिवार ने डॉ किरन देवी को दी बधाई

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के रतन सेन डिग्री कॉलेज बांसी (सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु से सम्बद्ध) में समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्रथम ऑनलाइन पैंए प्रोमोशन सम्पन्न हुआ। इस प्रक्रिया के अंतर्गत संस्कृत विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. किरन देवी का पदोन्नयन प्रोफेसर के पद पर किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर सरकारी नामित सदस्य के रूप में प्रो. राजेन्द्र प्रसाद सिंह कुलपति नामित सदस्य डॉ. कौशलेंद्र चतुर्वेदी व क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी प्रो. उदय भान तथा विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. भारत भूषण द्विवेदी और प्रो. विजय कृष्ण ओझा उपस्थित रहे।इसके अतिरिक्त आईक्यूएसी निदेशक प्रो. अर्चना मिश्रा सदस्यगण डॉ. राम बाबू , डॉ. राजेश कुमार यादव , श्री देवराज सिंह, डॉ. अरविन्द त्रिपाठी, डॉ. सन्दीप पाण्डेय, आलोक दुबे तथा डॉ. हंसराज कुशवाहा आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिसमें

प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार सिंह ने डॉ. किरन देवी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत शैक्षणिक समर्पण का परिणाम है, बल्कि महाविद्यालय के लिए भी गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि इस तरह की उपलब्धियाँ संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुसंधान उन्मुखता को और अधिक सुदृढ़ करती हैं। महाविद्यालय परिवार ने डॉ. किरन देवी को प्रोफेसर पद पर पदोन्नति हेतु बधाई दी और उनके उज्ज्वल शैक्षणिक भविष्य की कामना की।

पुलिस कर्मियों ने मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत थाना खेसरहा पुलिस की महिला मिशन केंद्र टीम द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी बांसी सुजीत राय के पर्यवेक्षण में संचालित हुआ। थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के कुशल नेतृत्व में टीम ने थाना क्षेत्र के श्रीमती लीलावती देवी पब्लिक इंटर कॉलेज सकारपार में पहुंचकर नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन, साइबर अपराध सुरक्षा तथा एंटी रोमियो अभियान के तहत

महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं को मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत महिला सशक्तिकरण, साइबर सुरक्षा एवं सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। टीम ने बताया कि किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें शिकायत दर्ज करें। इसके अलावा पुलिस टीम ने पेडारी महुलानी मेला में एंटी रोमियो अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 6 शोहदों का माफीनामा भरवाया और भविष्य में ऐसी हरकत न करने की कड़ी चेतावनी दी। महिलाओं और बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1090 (वूमेन पावर हेल्पलाइन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 108 (एंबुलेंस सेवा), 1930 (साइबर अपराध हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 102 (स्वास्थ्य सेवा) की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

इस अभियान में उपनिरीक्षक चन्द्रिका प्रसाद मौर्या, उपनिरीक्षक ज्ञान प्रताप सिंह, कांस्टेबल राहुल सिंह, आरक्षी अजीत कुमार, महिला आरक्षी संगीता देवी व रम्भा यादव शामिल रहे।

कड़ा धाम में स्क्रब टाइफस का मामला सामने आया

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। दारानगर नगर पंचायत के वार्ड नौ में स्क्रब टाइफस का मामला सामने आने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। यह बीमारी माइट नामक कीट के काटने से फैलती है। वार्ड निवासी नजमा बेगम इस बीमारी से पीड़ित हैं। मामले की सूचना मिलते ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कड़ा की टीम मौके पर पहुंची और इलाके में टेनीफास कीटनाशक का छिड़काव कराया गया।

ज्ञात हो कि टीम में डॉ. आसिफ सिद्दीकी, स्वास्थ्य कर्मी नायब राम चौधरी, गुरु वीर सिंह और शत्रुघ्न सिंह शामिल रहे। टीम ने मरीज के घर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों को बीमारी से बचाव के उपाय बताए। स्वास्थ्य विभाग ने अपील की कि लोग अपने घरों और आसपास की सफाई रखें, झाड़ियों को न बढ़ने दें और कीट- निरोधक क्रीम का उपयोग करें। किसी को भी बुखार या चकत्ते जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।

ऋषिकेश परमार्थ निकेतन में स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज जी के हाथों हिन्दी फीचर फिल्म 'डीएफओ डायरी फॉरेस्ट वॉरियर्स' के पोस्टर का अनावरण किया गया

'डीएफओ डायरी फॉरेस्ट वॉरियर्स' 2024 का बिन्सर के जंगल की आग बुझाते हुए षहीद योद्धाओं से प्रेरित एक एपिसोडिक हिंदी फिल्म

मंत्र भारत संवाददाता

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज जी के हाथों हिन्दी फीचर फिल्म 'डीएफओ डायरी फॉरेस्ट वॉरियर्स' के पोस्टर का अनावरण किया गया। फिल्म का एक गीत राही ओ राही पद्मश्री कैलाष खेर ने गाया है। उस गीत का भी स्वामी जी के हाथों लोकापर्ण किया गया। पैन-इंडिया रिलीज की जा रही फिल्म 'डीएफओ डायरी फॉरेस्ट वॉरियर्स' एक सिनेमाई अनुभव है उत्तराखंड के जंगलों को बचाने की खामोश लड़ाई का।

फिल्म का सारांश : 'डीएफओ डायरी फॉरेस्ट वॉरियर्स' एक एपिसोडिक फिल्म है। जिसमें अलग-अलग चैप्टरस है जो जुड़े हैं एक वन अधिकारी डीएफओ विजय की डायरी से।

2024 का बिन्सर अग्निकांड इस फिल्म का मूल आधार है। बिन्सर वाइल्ड लाइफ़ सेंचूरी, जो अल्मोड़ा जिले में स्थित है वहाँ 2024 की गर्मियों में जंगलों में लगी आग को बुझाते हुए कुछ वनकर्मी और स्थानीय लोग शहीद हो गए।

ये फिल्म उन्हीं शहीदों और उनके जैसे अन्य वनरक्षकों के संघर्ष को सामने लाती है।

संक्षेप में फिल्म उन गुमनाम योद्धाओं के बारे में बताती-दिखाती है जो इस प्रकृति और पर्यावरण के लिए कई बार अपनी जान तक कुर्बान कर देते हैं। कई सारी सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस डायरी के पन्नों को गीत-संगीत के साथ फिल्मी अंदाज में प्रस्तुत किया गया है।

'डीएफओ डायरी फॉरेस्ट वॉरियर्स' एक रोमांचक एडवेंचर ड्रामा फिल्म है, जिसे उत्तराखंड के खूबसूरत कुमाऊँ हिमालय की गोद में फिल्माया गया है। यह फिल्म जंगलों की आत्मा और उन जाँबाज रक्षकों की गाथा है, जो हर दिन प्रकृति को बचाने के लिए संघर्ष करते हैं। डीएफओ की डायरी के पन्नों से दर्शक उन वास्तविक और नाटकीय घटनाओं की यात्रा पर निकलते हैं, जहाँ जंगल ही पृष्ठभूमि भी है और रणभूमि भी। कहीं निर्दयी शिकारी मासूम ट्रेकर्स की जिंदगी पर खतरा बनकर आते हैं, तो कहीं भीषण जंगल की आग से लड़ने के लिए गाँववाले, अधिकारी और बच्चे एकजुट होकर धरती माँ को बचाने की कसम खाते हैं।

फिल्म की सिनेमाटोग्राफी उत्तराखंड की झीलों, ओक पाइन से भरे घने जंगलों, धुंध से ढकी घाटियों और पारंपरिक गाँवों की सुंदरता को बड़े परदे पर जीवंत करती है। हिमालय यहाँ एक पात्र की तरह उभरता है जिसकी गोद में सौंदर्य भी है और संकट भी।

'डीएफओ डायरी, फॉरेस्ट वॉरियर्स' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक आंदोलन है जो रोमांच, साहस, भावना और प्रेरणा को एक साथ जोड़कर दर्शकों को न सिर्फ सिनेमाई अनुभव कराता है, बल्कि उन्हें भी प्रकृति के रक्षक बनने की पुकार सुनाता है।

यह फिल्म दिल को छू लेने वाली और रोमांचक दोनों है। ये भारत के उन अनसुने नायकों को समर्पित हैं, जिन्होंने जंगलों की रक्षा के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया, और यह याद दिलाती है कि जब हम सब साथ खड़े हों, तो धरती का सबसे अनमोल खजाना प्रकृति हमेशा सुरक्षित रह सकता है।

गीत और संगीत : फिल्म का संगीत इसकी आत्मा है जो उत्तराखंड की लोकधुनों और आधुनिक संगीत का अनूठा मेल हैं।

गीतः भागीरथों पुनः उठो, स्वरः बीजू लाल आई.एफ.एस.

विषेशः जंगलों को आग से बचाने के लिए सभी को पुकारता, प्रेरित करता ये पहला गीत है जो वास्तविक लोकेषन में फिल्माया गया। ग्लोबल वॉर्मिंग के लिए युवा पीढ़ी को आगे आकर कमान संभालने को जोष भरता है ये गीत।

एक आह्वान गीत है। जो हर युवा से महान तपस्वी भगीरथ के जैसे प्रकृति को बचाने और संवारने के लिए डटे रहने की प्रेरणा देता है। सूखते, जलते, टूटते और दरकते पहाड़ की पीड़ा और उस दूर करने के लिए आगे आने का संदेष देता ये गीत बीजू लाल आई.एफ.एस ने गाया है।

लोकधुनों पर आधारित गीत जिसमें छोलिया नृत्य को बड़ी खूबसूरती से पिरोया गया है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 57-विद्युत/सा0/प्रयागराज/25-26 दिनांकः 17.10.2025

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 19.11.2025 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित हैः-

क्रम सं.	निविदा सूचना संख्या	काम की लागत (रु. में)	बिड सिक्योरिटी (रु. में)
1	ELG-120-2526	97,44,523.16	1,94,900.00
कार्य का नामः 02 वर्ष के लिए एसएसई/पीएस/पीआरवाईजे के तहत विद्युत विविध रखरखाव कार्य।			
कार्य समाप्त करने की समयावधिः 24 Month			
2	ELG-121-2526	1,02,15,372.37	2,01,100.00
कार्य का नामः "इटावा-ईटीडब्ल्यू (इटावा) में 30 बेड के रनिंग रूम के लिए प्रस्ताव" के कार्य के संबंध में विद्युत कार्य और "एफबीडी (फर्रुखाबाद) में 30 बेड के रनिंग रूम के लिए फर्रुखाबाद प्रस्ताव" के कार्य के संबंध में विद्युत कार्य।			
कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 Month			
निविदा खुलने की तिथिः 19.11.2025, समय 15:00 बजे।			

नोटः 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2022/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

युवती से दुष्कर्म की कोशिश, विरोध पर भाई को मारा चाकू

प्रयागराज। घर में सो रही एक युवती से दुष्कर्म की कोशिश की गई, इसका विरोध पर उसके भाई को चाकू मारकर घायल कर दिया गया। आरोपी दरवाजा तोड़कर युवती के घर में घुसा था। वारदात मेडिकल कॉलेज चौराहे के समीप की है। कुलभास्कर लकड़ी मंडी मोहल्ला निवासी 30 वर्षीय युवती की तहरीर के मुताबिक 19 अक्तूबर की रात वह घर में अकेले सो रही थी। उसका भाई काम पर गया हुआ था। लगभग साढ़े 11 बजे मोहल्ले का ही सलीम नशे में घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसा और उससे जोर जबरदस्ती करने लगा। आरोपी ने युवती के कपड़े फाड़ दिए। वह खुद को बचाने के लिए शोर मचा रही थी, तभी युवती का भाई घर आ गया। उसने बहन को बचाने की कोशिश की तो सलीम ने उस पर चाकू से वार घायल कर दिया। इतने पर भी वह भिड़ा रहा तो सलीम ने उसकी जांघ में दांत से काट लिया और धमकी देते हुए भाग गया।

यूपी बोर्ड की परीक्षा देगे 52 लाख परीक्षार्थी, पिछले वर्ष की तुलना में दो लाख परीक्षार्थियों की संख्या हुई कम

9वीं, 11वीं में त्रुटि संशोधन के लिए 5 नवंबर तक की मोहलत : सचिव भगवती सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एशिया की सबसे बड़ी परीक्षा संस्था माध्यमिक शिक्षा परिषद यानी यूपी बोर्ड की हाई स्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में 52 लाख से ज्यादा छात्राएं शामिल होंगे। हाई स्कूल में 27 लाख 50 हजार 945 और इंटरमीडिएट में 2479352 को मिलाकर कुल 5230297 परीक्षार्थी पंजीकृत है।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने आज बताया कि पिछले साल की तुलना में परीक्षार्थियों की संख्या में 2 लाख की कमी आई है। इस आधार पर परीक्षा केंद्रों में भी कमी आने का अनुमान है।

कल 2750945 परीक्षार्थियों में 1438682 छात्र और 1312263 छात्राएं पंजीकृत हैं।इंटरमीडिएट परीक्षा की अगर बात करें तो कुल 2479 352 परीक्षार्थियों में 1303 012 छात्र और 1176340 छात्राएं पंजीकृत हैं। इसके अलावा कक्षा 9 और 11 में 4946134 छात्राओं का अग्रिम पंजीकरण किया गया है।

गौरतलब है कि 10वीं और 12वीं के आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार 31 अक्टूबर तक किए जा सकेंगे। जबकि 9वीं व 11वीं में त्रुटि संशोधन के लिए 5 नवंबर तक की मोहलत यूपी बोर्ड की ओर से दी गई है। इस बीच यूपी बोर्ड के अधिकारियों ने भी बोर्ड परीक्षा की तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रश्न पत्रों को तैयार करने के साथ ही मॉडरेशन और कॉपियां छपवाने का काम तेजी से चल रहा है।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि 10वीं और 12वीं के परीक्षार्थियों का रजिस्ट्रेशन पूरा हो गया है। अब 31 अक्टूबर तक त्रुटि संशोधन का कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षार्थियों की संख्या में 2 लाख की कमी पिछले साल की तुलना में आई है। 2026 की बोर्ड परीक्षा में 2 लाख 06877 परीक्षार्थी कम हुए हैं।

वहीं 2025 की बोर्ड परीक्षा में हाई स्कूल में 27 लाख 32 हजार 165 और इंटरमीडिएट में 27 लाख 05 हजार 009 परीक्षार्थियों को मिलाकर कुल 54 लाख 37 हजार 174 परीक्षार्थी पंजीकृत थे।

यूपी बोर्ड के इन आंकड़ों से यह पता चल रहा है कि हाई स्कूल में छात्रों की संख्या में 18 हजार 780 की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि इंटर में 2 लाख 25 हजार 657 परीक्षार्थी कम हुए हैं। परीक्षा केंद्रों की संख्या भी कम होगी। बोर्ड परीक्षाओं की संख्या कम होने के साथ ही इस बार परीक्षा केंद्र भी कम होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

यूपी बोर्ड के मानक के मुताबिक एक केंद्र पर औसतन 500 से 1000 परीक्षार्थी आवंटित होते हैं। इसलिए हाथ से अगर देखे तो 200 से अधिक केंद्र कम हो जाएंगे। वही 2025 की 10वीं और 12वीं की यूपी बोर्ड परीक्षा में पंजीकृत 54 लाख 37 हजार 174 परीक्षार्थियों के लिए 8140 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। जबकि 2024 की बोर्ड परीक्षा की अगर बात करें तो पंजीकृत 55 लाख 25 हजार 342

परीक्षार्थियों के लिए 8265 केंद्र बनाए गए थे। इस लिहाज से यह साफ है कि परीक्षार्थियों की संख्या घटने के साथ परीक्षा केंद्रों की संख्या भी लगातार घट रही है।

हालांकि यूपी बोर्ड की ओर से बोर्ड परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी गई है। यूपी बोर्ड ने नकल बिन निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से परीक्षा कराने के लिए तैयारी तेज कर दी है।

बीएसए देवव्रत सिंह के निर्देशन में हुआ कार्यक्रम

विशेष बच्चों की मुस्कान है उपलब्धि : एडी बेसिक संजय कुशवाहा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज में समेकित शिक्षा के तहत परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों मं अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक्सपोज़र विज़िट कार्यक्रम का आयोजन बीएसए देवव्रत सिंह के निर्देशन एवं जिला समन्वयक समेकित शिक्षा विकास पांडे के संयोजन में हुआ। जिले के विभिन्न ब्लॉकों के 150 दिव्यांग बच्चों के लिए तीन एक्सपोज़र विज़िट कराया गया। बच्चों को ज्ञानवर्धक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों जैसे आनंद भवन, तारामंडल, इलाहाबाद संग्रहालय, चंद्रशेखर आज़ाद पार्क, विक्टोरिया पार्क एवं खेलकूद पार्क का भ्रमण कराया गया। बच्चों ने उत्साह के साथ विभिन्न स्थलों को देखा और इतिहास, विज्ञान एवं संस्कृति की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में नौ दिव्यांग बच्चों कुमारी रोशनी (सैदाबाद ब्लॉक), कृष्ण (होलागढ़), आर्यन कुशवाहा (करछना), देवराज (नगर क्षेत्र), मोहम्मद अयान (नगर क्षेत्र), अनमोल (नगर क्षेत्र) और आयन (नगर क्षेत्र) का सामूहिक जन्मोत्सव केक काटकर मनाया गया। इस दौरान बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और उल्लास की झलक ने वातावरण को प्रफुल्लित कर दिया।

मुख्य अतिथि सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) प्रयागराज मंडल प्रयागराज संजय कुमार कुशवाहा ने बच्चों का जन्मोत्सव मनाया। उन्होंने कहा कि इन विशेष बच्चों की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस तरह के भ्रमण कार्यक्रम इनके आत्मविश्वास और सीखने की इच्छा को नई दिशा देते हैं। कार्यक्रम में बीईओ श्रीमती प्रतिभा सिंह, मुकेश सैनी, रमाशंकर प्रजापति, समस्त स्पेशल एजुकेटर, फिजियोथैरेपिस्ट एवं स्काउट गाइड टीम थी।

वसुधा में होने वाली है निशि सक्सेना की एंट्री

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी टीवी का मशहूर शो 'वसुधा' अब अपनी कहानी में एक दिलचस्प मोड़ लेने जा रहा है, क्योंकि अभिनेत्री निशि सक्सेना की एंट्री होने वाली है। प्रिया ठाकुर और अभिषेक शर्मा के मुख्य किरदारों वाला यह शो अपनी कहानी और भावनाओं से दर्शकों का दिल जीत चुका है। अब निशि का नया किरदार इस कहानी में एक और दिलचस्प मोड़ लेकर आएगा। निशि नंदिनी का रोल निभा रही हैं, जो एक सकारात्मक और असरदार किरदार है। उनके आने से देव और वसु की जिंदगी में कई नए मोड़ आएंगे। आमतौर पर प्रेम कहानी में तीसरे किरदार को नकारात्मक दिखाया जाता है, लेकिन निशि का रोल इस सोच को बदलेगा। नंदिनी कहानी में अपनापन, गहराई और एक नया एहसास लेकर आएंगी।

अपने अनुभव के बारे में निशि सक्सेना कहती हैं, 'वसुधा जैसे शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत खास है, खासकर जब कहानी एक रोमांचक और भावनात्मक पड़ाव पर है। यह शो पहले से ही दर्शकों के दिलों से जुड़ा हुआ है, इसलिए इस वक्त इसका हिस्सा बनना मेरे लिए खुशी की बात है। मैं बहुत उत्साहित हूं कि मेरा किरदार कहानी में एक नई दिशा लाएगा और देव-वसु की यात्रा में एक अलग मोड़ जोड़ेगा।

शिवसेना का प्रदेश में होगा संगठन विस्तार

शिवसेना प्रदेश सचिव की राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. अभिषेक वर्मा से नई दिल्ली में हुई भेट

जनसंपर्क अभियान, पंचायत वा विस चुनाव तैयारियों पर विस्तार से हुई चर्चा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शिवसेना उत्तर प्रदेश की प्रदेश सचिव रुचि तिवारी ने एनडीए गठबंधन दल संयोजक, चुनाव प्रभारी एवं शिवसेना के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. अभिषेक वर्मा से नई दिल्ली स्थित उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रदेश में संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान और आगामी पंचायत एवं 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश प्रमुख अभय द्विवेदी, दिल्ली प्रमुख संदीप सिंह, मनोज कुमार लल्लन, स्नेहल करमरकर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर संगठनात्मक रणनीति और राष्ट्रहित में किए जाने वाले कार्यों पर विचार-विमर्श किया।

शिवसेना उत्तर प्रदेश की प्रदेश सचिव रुचि तिवारी ने डॉ. अभिषेक वर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि, 'डॉ. अभिषेक वर्मा सहज, सरल और जमीन से जुड़े हुए व्यक्तित्व के धनी हैं। वह ना केवल कुशल रणनीतिकार हैं, बल्कि अपने सहयोगियों के सुख - दुःख में साथ खड़े रहने वाले सच्चे मार्गदर्शक भी हैं। इसके पूर्व शिवसेना प्रदेश सचिव रुचि तिवारी ने एनडीए गठबंधन दल संयोजक, चुनाव प्रभारी एवं शिवसेना के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. अभिषेक वर्मा को बुके और भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।बैठक का समापन 'जय भवानी' के उद्घोष के साथ हुआ, जिसने शिवसेना के आदर्शों और राष्ट्रसेवा की भावना को नई ऊर्जा प्रदान की।

मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। डीसीपी यमुनानगर के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर कमिश्नरेट प्रयागराज की मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को थाना क्षेत्र के स्कूलों/कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जाकर महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई, इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया ।

सदियापुर में निष्प्रयोज्य भूमि पर सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल और योगा केंद्र का लोकार्पण होते ही चहके सैकड़ों बच्चे

विधायक निधि से सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल और योगा हॉल बारादरी का हुआ निर्माण

मंत्री नन्दी ने डेढ़ करोड़ रूपए की लागत से निर्मित विकास कार्यों का किया लोकार्पण'

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बुधवार को अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न सदियापुर, मीरापुर, करेलाबाग इलाकों में एक करोड़ 46 लाख 79 हजार रूपए की लागत से निर्मित सीसी रोड निर्माण कार्यों एवं अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण किया। सदियापुर में वर्षों से निष्प्रयोज्य पड़ी एवं कचराघर बनी भूमि पर सरकारी प्रक्रियाएं पूरी कर मंत्री नन्दी द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल, योगा हॉल और बारादरी का निर्माण और फिर लोकार्पण से मोहल्ले के सैकड़ों बच्चे चहक उठे। बच्चों ने अपनी खुशी का इजहार किया।

इस दौरान मंत्री नन्दी ने अपने क्षेत्र में पैदल भ्रमण कर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनी। निर्माणाधीन विकास कार्यों की प्रस्तावक प्रयागराज की पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी भी इस दौरान मौजूद रहीं।

मंत्री नन्दी ने सदियापुर वसीहाबाद में जाफरी साहब के मकान से योगेंद्र कुशवाहा के मकान तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण 16.55 लाख, करैलाबाग में शन्नो देवी के मकान से रंजीत कुमार के मकान एवं भोला निषाद व गया निषाद के मकान तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण 11.74 लाख, जेपी चाट से गोंदल, धनिया देवी, दशरथ निषाद के मकान के पास आंतरिक गलियों में सीसी रोड एवं नाली निर्माण 24.81 लाख, मीरापुर में रणवीर सिंह के मकान से महेश्वानंद मिश्र के मकान तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण 24.62 लाख, हर्षवर्धन नगर मीरापुर में शिव गुरु जनरल स्टोर से पवन शास्त्री के मकान होते हुए कंचन मौर्य एवं अवधेश कुशवाहा के मकान तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण 16.78 लाख, मीरापुर पंजाबी कॉलोनी में गली का निर्माण 19.02 लाख, मीरापुर में वीर छत्रसाल पार्क के तीनों तरफ रोड निर्माण 15.62 लाख एवं सदियापुर इमली टोला मोहल्ले में स्थानीय लोगों के सार्वजनिक कार्यक्रम हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल का निर्माण कार्य 17.65 लाख का लोकार्पण किया।

मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार का यही प्रयास है कि कोई भी एरिया विकास से वंचित न रहे। इसी संकल्प के साथ हमारी सरकार कार्य कर रही है। प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

इस दौरान पूर्व राज्य मंत्री बाबूलाल भंवरा, महानगर उपाध्यक्ष अनिल केसरवानी झल्लर, महानगर कार्यक्रम प्रभारी दीप द्विवेदी, मण्डल अध्यक्ष गया निषाद, महामंत्री ज्ञान कुशवाहा, उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुशवाहा, मंत्री सुभाष तिवारी, योगेन्द्र कुशवाहा, पार्षद ऋषि निषाद, युवामोर्चा महामंत्री विनीत निषाद, युवा मोर्चा सदस्य रोहित कनौजिया, सेक्टर संयोजक श्रीमती आभा साहू, बूथ अध्यक्ष श्रीमती आरती निषाद, किरन कपूर, रेनु पाल एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी प्रयागराज की हाईकोर्ट बार एसोसिएशन से औपचारिक भेंट, कानून-व्यवस्था पर हुई सकारात्मक चर्चा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने आज इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश पांडेय 'बबुआ तथा महामंत्री अखिलेश शर्मा से बार कक्ष में औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान जिले की कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक समन्वय एवं न्यायिक कार्यों के संचालन पर विस्तृत चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कर रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि न्यायिक व्यवस्था से जुड़े सभी आवश्यक मुद्दों पर प्रशासन संवेदनशील है और बार एसोसिएशन के सहयोग से इन्हें और बेहतर किया जाएगा।

इस अवसर पर अध्यक्ष राकेश पांडेय बबुआ ने जिलाधिकारी के इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह कदम प्रशासन और बार के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इससे जिले की कानून-व्यवस्था और न्यायिक व्यवस्था दोनों को मजबूती मिलेगी।

महामंत्री अखिलेश शर्मा ने भी जिलाधिकारी की पहल को सराहनीय बताया और कहा कि इस प्रकार की मुलाकातें संवाद और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करती हैं, जिससे प्रशासनिक कार्यों में और दक्षता आएगी।

भविष्य में दोनों संस्थाओं के बीच नियमित संवाद और समन्वय बनाए रखने पर भी सहमति बनी।

मुलाकात के अंत में जिलाधिकारी ने बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों को प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की संपूर्ण कार्यकारिणी उपस्थित रही। उपस्थित पदाधिकारियों में अध्यक्ष राकेश पांडे 'बबुआ', महासचिव अखिलेश शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश कुमार द्विवेदी (के.के. द्विवेदी), उपाध्यक्ष अमित कुमार सिंह (सोनू), विवेक मिश्रा, राज कुमार त्रिपाठी, हनुमान प्रसाद मिश्रा, दिनेश वरुण, संयुक्त सचिव (प्रशासन) बैरिस्टर सिंह, संयुक्त सचिव (लाइब्रेरी) शशि कुमार द्विवेदी, संयुक्त सचिव (प्रेस) रमेश्वर दत्त पांडे (आर.डी.), संयुक्त सचिव (महिला) बिंदु कुमारी, कोषाध्यक्ष अंजनी कुमार मिश्रा, तथा गवर्निंग काउंसिल सदस्य अंजली सिंह तोमर, कनक कुमार त्रिपाठी, दिवांशु तिवारी, बलदेव शुक्ला, अभिषेक तिवारी, त्रिप्ती यादव, आरती गुप्ता, अखंड प्रताप त्रिपाठी, गया प्रसाद मिश्रा, गिरीश चंद्र शुक्ला, अनिरुद्ध सिंह, अवनीश चंद्र त्रिपाठी, कृष्ण मोहन पांडे, आदित्य धर द्विवेदी और अमित सिंह (सेंगर) शामिल रहे।

मेजा ऊर्जा निगम में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का शुभारंभ

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मेजा ऊर्जा निगम प्रा. लि. में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का शुभारंभ मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अशेष कुमार चट्टोपाध्याय की उपस्थिति में आयोजित उद्घाटन समारोह के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सत्यनिष्ठा की शपथ के साथ हुई, जिसमें मेजा ऊर्जा निगम की पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और नैतिक आचरण के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया गया।

यह सतर्कता सप्ताह 27 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2025 तक मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों, विद्यार्थियों और समुदाय के बीच सत्यनिष्ठा एवं सतर्कता की भावना को बढ़ावा देना है। सप्ताह भर के दौरान निबंध लेखन प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक जैसे कई आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से जनजागरूकता और सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सतर्कता सप्ताह गतिविधियों के अंतर्गत 29 अक्टूबर 2025 को एमयूएनपीएल टाउनशिप, मेजा स्थित सेंट जोसेफ स्कूल में सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा समारोह का भी आयोजन किया गया। इसी क्रम में 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत' विषय पर निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें 200 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सप्ताह भर चलने वाला यह आयोजन समाज के सभी वर्गों में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और सतर्कता की संस्कृति को सुदृढ़ करने के लिए मेजा ऊर्जा निगम के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करता है।

सम्पादकीय

मिलेनियल्स लिखेंगे बिहार की तकदीर

बिहार विधानसभा की चौसर बिछ चुकी है तो चुनावों में हिस्सा ले रहे राजनीतिक दलों और बिहार विधानसभा के चुनावों में उम्मीद्वारों की तस्वीर भी लगभग सामने आ गई है। सौ टके का सवाल अब यह उभर रहा है कि बिहार के वोटर्स एनडीए की सरकार को ही दुबारा चुनेंगे या महागठबंधन को अवसर देंगे। देश में पिछले सालों में हुए चुनावों चाहे वह विधानसभाओं के चुनाव हो या फिर लोकसभा के चुनाव, महिलाओं और फ्लोटिंग वोटर्स की प्रमुख भूमिका रही है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बिहार विधानसभा के पिछले चुनावों में नीतीश सरकार बनाने में महिला वोटर्स की प्रमुख भूमिका रही है। इस बार भी महिला मतदाताओं की भूमिका को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता। पर जो खासबात उभर कर आ रही है वह यह है कि बिहार विधानसभा के चुनावों में नई सरकार की तकदीर लिखने में मिलेनियल्स की खास भूमिका रहेगी। चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची के अनुसार फ्लोटिंग वोटर्स यानी की पहली बार वोट करने वाले वोटर्स चुनाव नतीजों को प्रभावित नहीं कर पायेंगे। इसका कारण भी साफ है और वह यह कि फ्लोटिंग वोटर्स दो प्रतिषत से भी कम है। बिहार के 7 करोड़ 41 हजार से अधिक वोटर्स में से फ्लोटिंग वोटर्स केवल मात्र 14 लाख एक हजार से कुछ ही अधिक है। सर्वाधिक मतदाता मिलेनियल्स यानी कि 1 करोड़ 92 लाख 74 हजार से अधिक है। मिलेनियल्स या जेन वाई वह पीढ़ी है जिसने बदलती तकनीक के साथ साथ जीवन आरंभ किया है। 30 से 39 साल की यह पीढ़ी डिजिटल दुनिया के विकास के साथ साथ आगे बढ़ी है। इसीलिए इसका खास महत्व हो जाता है।

दरअसल विलियम स्ट्रास और नील होवे की 1991 में प्रकाशित पुस्तक जेनरेशंस में जेनरेशन वाई का पहलीबार प्रयोग हुआ। 1981 से 1996 तक की इस पीढ़ी का विकास तकनीक के विकास के साथ साथ हुआ है। एक तरह से डिजिटल दुनिया का यह संक्रमण काल माना जा सकता है तो देश दुनिया में आर्थिक उदारीकरण का दौर भी लगभग इसी दौरान रहा है। आर्थिक जगत में तेजी से आ रहे बदलाव को इसी पीढ़ी ने अधिक नजदीक से जाना और समझा है। कारण भी साफ है कि आज की कामकाजी आबादी में सबसे अधिक संख्या जेनरेशन मिलेनियल्स ही है। डिजिटल युग का विकास इसी दौर में आगे बढ़ा है तो आर्थिक सुधार और सामाजिक आर्थिक बदलावों से भी यही पीढ़ी अधिक प्रभावित हुई है। इस मायने में देखे तो तकनीक के विकास के इस संक्रमण काल की पीढ़ी हालातों से अधिक रुबरु हुई है। जब से इस पीढ़ी ने हौश संभाला है। यह वो पीढ़ी है जो इंटरनेट, मोबाइल और सोषल मीडिया के साथ साथ बड़ी हुई है।

साफ है कि इस पीढ़ी की राजनीतिक समझ भी अधिक है। वर्तमान हालातों से नजदीक से रुबरु होने के कारण इस पीढ़ी की समझ निश्चित रुप से आज के बिहार के चुनावों को प्रभावित करेगी। हांलाकि आज यह पीढ़ी राजनीतिक मुफ्तखोरी की घोषणाओं के खिलाफ दबी जुवान से ही सही आवाज उठाने लगी है तो इस पीढ़ी की समझ अंडर करंट जैसी होने से यह पीढ़ी बिहार के चुनाव नतीजों को प्रभावित करने में खास भूमिका निभायेगी। हालांकि मोदी के बाद से चुनावों के दौर में फ्लोटिंग वोटर्स यानी की पहलबार मतदान करने वाले किशोर और जेनरेशन जेड़ की मोदी सरकार बनाने में बड़ी भूमिका रही है। माना जाता है कि जेनरेशन जेड़ और फ्लोटिंग वोटर्स में मोदी का क्रेज लगातार देखा जा रहा है।

पर वर्तमान हालातों में जेन वाई की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता। यह साफ हो जाना चाहिए कि बिहार विधानसभा के चुनावों के लिए जारी वोटर्स की अंतिम लिस्ट में सर्वाधिक वोटर्स जेन वाई यानी मिलेनियल्स ही हैं और इनकी ताकत और समझ को कम करके नहीं आका जा सकता। यह पीढ़ी हालातों से अधिक नजदीक से रुबरु हुई है। ऐसे में साफ हो जाना चाहिए कि वैसे तो 14 नवंबर को आने वाले रिजल्ट से ही स्पष्ट हो सकेगा कि किसकी सरकार बनती है और कौनसी पीढ़ी या कौनसे फैक्टर्स चुनाव नतीजों को अधिक प्रभावित कर पाते हैं पर इससे दो राय नहीं कि बिहार विधानसभा चुनावों में मिलेनियल्स की भूमिका अहम रहेगी। कोई भी दल या गठबंधन को मिलेनियल्स को कमतर आंकने की गलती करना निश्चित रुप से महंगा पड़ेगा।

धुएं में घिरा आसमान, पर जंगलों से आई उम्मीद–वन विस्तार में भारत नौवें स्थान पर

दीपावली के बाद देशव्यापी वायु प्रदूषण ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दूसरी ओर सुखद यह है कि भारत अब वन विस्तार में नई उपलब्धि के साथ नौवें स्थान पर आ गया है। पिछले वर्ष यह दसवें पायदान पर था। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफओ) के एक सर्वे ने भारत में वन क्षेत्र में वृद्धि की जानकारी दी है। वैश्विक पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से भारत के लिए यह उपलब्धि मील का पत्थर है, क्योंकि देश औद्योगिक, नवीकरणीय ऊर्जा और ढांचागत विकास में निरंतर प्रगति कर रहा है।

ऐसे में नौवें स्थान पर आना सतत् वन प्रबंधन और पारिस्थितिकी संरक्षण में संतुलन को दर्शाता है। एएफओ का सर्वे यह बताता है कि दुनिया का कुल वन क्षेत्र 414 करोड़ हेक्टेयर है। वनों का दायरा पृथ्वी की बत्तीस फीसद भूमि को अच्छादित करता है। इसका आधे से ज्यादा चौवन फीसद भू-भाग केवल पांच देशों, रूस, ब्राजील, कनाडा, अमेरिका और चीन में है। इस तरह भारत अब आस्ट्रेलिया कांगो और इंडोनेशिया के बाद दुनिया के शीर्ष नौ वन-समृद्ध देशों में शामिल हो गया है।

पेड़ों की अस्मिता पर ही मनुष्य व अन्य प्राणियों का जीवन टिका है। पेड़ एक ऐसी प्राकृतिक संपदा है, जिसका यदि विनाश होता है, तो मनुष्य का सुखद जीवन संभव नहीं रह जाएगा। जब से मानव सभ्यता के विकास का क्रम शुरू हुआ है, तब से लेकर अब तक वृक्षों की संख्या में छियालीस फीसद की कमी आई है। पेड़ों की गिनती के अब तक के सबसे समग्र वैश्विक अभियान में दुनिया भर के वैज्ञानिक समूहों ने यह निष्कर्ष निकाला है।

पेड़ नहीं हम अपनी जड़ काट रहे हैं, जंगल खत्म कर सोसाइटी खड़ी करेंगे तो कल जिएगा कौनष्ठक्या इतना आसान सौदा है

जिंदगी?

इस अध्ययन का आकलन है कि विश्व में तीन लाख करोड़ वृक्ष हैं। यानी मोटे तौर पर प्रति व्यक्ति 422 पेड़ हैं। हालांकि यह आंकड़ा पूर्व में आकलित अनुमानों से साढ़े सात गुना ज्यादा बताया गया है। दरअसल, पहले के वैश्विक आकलनों ने बताया था कि दुनिया भर में महज 400 अरब पेड़ हैं। प्रति व्यक्ति पेड़ों की संख्या इकसठ है। यह आकलन व्यक्ति आधारित था, इसलिए इसकी प्रामाणिकता पर संदेह था। दुनिया में अभी भी ऐसे दुर्गम स्थानों पर जंगलों का विस्तार है, जहां सर्वेक्षण में लगे मानव-समूहों का पहुंचना और सर्वेक्षण करना आसान नहीं है। क्योंकि इन जंगलों में एक तो अभी भी रास्ते नहीं हैं, दूसरे, खतरनाक वन्य-जीवों की मौजदूगी है।

पेड़ों की गिनती उपग्रह द्वारा ली गई छवियों से की गई है। इस गणना को तकनीक की भाषा में 'सेटेलाइट इमेजरी' कहते हैं। इस तकनीक से पूरा सर्वेक्षण वन-प्रांतरों में लिया गया है। इसमें जमीनी स्तर पर कोई आंकड़े नहीं जुटाए गए हैं। इस अध्ययन की विस्तृत रपट प्रतिष्ठित पत्रिका 'नेचर' में छपी है।

इसके मुताबिक पेड़ों की उच्च सघनता रूस, स्कैंडीनेशिया और उत्तरी अमेरिका के उप आर्कटिक क्षेत्रों में पाई गई है। इन घने वनों में दुनिया के चौबीस फीसद पेड़ हैं। पृथ्वी पर विद्यमान करीब 1.4 लाख करोड़ पेड़ उष्ण कटिबंधीय वनों में हैं। इन वनों का चिंताजनक पहलू यह भी है कि वनों या पेड़ों की घटती दर भी इन्हीं जंगलों में सबसे ज्यादा है। इस अध्ययन की प्रामाणिकता इसलिए असंदिग्ध है, क्योंकि इसे बेहद गंभीरता से किया गया है। इसके लिए पंद्रह देशों के वैज्ञानिक समूह बने। इन समूहों ने उपग्रह चित्रों से वन क्षेत्र का आकलन प्रति वर्ग किलोमीटर में मौजूद पेड़ों की संख्या का मानचित्रीकरण में सुपर कंप्यूटर तकनीक का इस्तेमाल किया।

इस गिनती में दुनिया के सभी सघन वनों की संख्या चार लाख से भी अधिक है। दुनिया के ज्यादातर वन क्षेत्रों में हुए अध्ययनों को भी तुलना के लिए जगह दी गई। उपग्रह चित्रों के इस्तेमाल से पेड़ों के आकलन के साथ स्थानीय जलवायु, भौगोलिक स्थिति, पेड़-पौधे, मिट्टी की दशा पर मानव के प्रभाव को भी आधार बनाया गया। इससे जो निष्कर्ष निकले, उनसे तय हुआ कि मानवीय हलचल और उसके जंगलों में हस्तक्षेप से पेड़ों की संख्या में गिरावट की दर से सीधा संबंध है।

जिन वन-क्षेत्रों में मनुष्यों की आबादी बढ़ी है, उन क्षेत्रों में पेड़ों का घनत्व तेजी से घटा है। वनों की कटाई, भूमि के उपयोग में बदलाव और मानवीय गतिविधियों के कारण हर वर्ष दुनिया में पंद्रह अरब पेड़ कम हो रहे हैं। जिस तरह से भारत समेत पूरी दुनिया में औद्योगीकरण तथा शहरीकरण बढ़ रहा है और बड़े बांध एवं चार व छह पंक्तियों के राजमार्गों की संरचनाएं बनाई जा रही हैं, उससे भी जंगल खत्म हो रहे हैं।

ऐसे समय जब दुनिया भर के पर्यावरणविद् और वैज्ञानिक जलवायु संकट के दिनोंदिन और गहराते जाने की चेतावनी दे रहे हैं, पर्यावरण संरक्षण में सबसे ज्यादा मददगार वनों का सिमटना या पेड़ों का घटना वैश्विक होती दुनिया के लिए चिंता का विषय है। विकास के नाम पर जंगलों के सफाए में तेजी आर्थिक उदारवाद के बाद आई है। पिछले पंद्रह वर्षों में ब्राजील में सत्रह हजार, म्यामां में आठ, इंडोनेशिया में बारह, मैक्सिको में सात, कोलांबिया में 6.5, जैरे में चार और भारत में चार हजार प्रति वर्ग किलोमीटर के हिसाब से वन खत्म हो रहे हैं। यानी एक साल में 170 लाख हेक्टेयर की गति से वन लुप्त हो रहे हैं। यदि यही रफ्तार रही, तो जंगलों के चार से आठ फीसद क्षेत्र, 2030 तक लुप्त हो जाएंगे। वर्ष 2040 तक सत्रह से पैंतीस फीसद सघन वन मिट जाएंगे। इस समय तक इतनी विकराल स्थिति उत्पन्न हो जाएगी कि दुर्लभ पेड़ों की प्रजातियां प्रति दिन नष्ट होने लग जाएंगी।

वृक्षों का संरक्षण इसलिए जरूरी है, क्योंकि वृक्ष जीव-जगत के लिए जीवन-तत्त्वों का सृजन करते हैं। वायु एवं जल-प्रदूषण और भू-क्षरण न हो, यह पेड़ों की अधिकता से ही संभव है। वर्षा चक्र की नियमित निरंतरता पेड़ों पर ही निर्भर है। पेड़ मनुष्य जीवन के लिए कितने उपयोगी हैं, इसका वैज्ञानिक आकलन भारतीय अनुसंधान परिषद ने किया है। इस आकलन के अनुसार, उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में पर्यावरण के लिहाज से एक हेक्टेयर वन क्षेत्र से 1.41 लाख रुपए का लाभ होता है।

इसके साथ ही पचास वर्ष में कुछ खास प्रजाति के वृक्ष करीब पंद्रह लाख की लागत का प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष लाभ देते हैं। भारतीय जनजीवन का प्रकृति से गहरा आत्मीय संबंध है, लेकिन आधुनिक विकास और पैसा कमाने की होड़ ने संरक्षण के इन उपायों को लगभग ठुकरा दिया है। पेड़ों के महत्त्व का तुलनात्मक आकलन अब शीतलता पहुंचाने वाले विद्युत उपकरणों से भी किया जा रहा है। एक स्वस्थ वृक्ष जो ठंडक देता है, वह दस कमरों में लगे वातानुकूलित यंत्रों के लगातार बीस घंटे चलने के बराबर होती है।

घरों के आसपास पेड़ लगे हों, तो वातानुकूलन की जरूरत तीस फीसद घट जाती है। इससे बीस से तीस फीसद तक बिजली की बचत होती है। एक एकड़ क्षेत्र में लगे वन चार टन आक्सीजन उत्पन्न करते हैं जो अठारह व्यक्तियों की वार्षिक जरूरत के बराबर होती है। फिर भी हम प्रकृति से निरंतर दूरी बनाते जा रहे हैं। तय है, वैश्विक रपट में पेड़ों के नष्ट होते जाने की जो भयावहता सामने आई है, उसकी प्रतिच्छाया में भारत में वन-आच्छादित क्षेत्र में वृद्धि देश की जनता के लिए सुखद अनुभूति का संकेत है।

जीवन में सुख और दुख का आपस में है गहरा संबंध, हमें शाश्वत आनंद का मार्ग दिखाती है आत्मिक सत्य की प्राप्ति

मनुष्य अपने जीवन में हमेशा सुख की खोज में लगा रहता है। दुख को वह अपने करीब लाना नहीं चाहता और यह स्वाभाविक है। लोग आशीर्वाद स्वरूप सुखी होने की ही कामना करते हैं। सुखी जीवन की तलाश पूरे समय चलती रहती है। उसके बाद भी सुख की प्रतिच्छाया दिखाई नहीं देती। मनुष्य का दुख से बचना यही दर्शाता है कि वह चुनौतियों को स्वीकार नहीं करना चाहता। दरअसल, दुखी नहीं होने की इच्छा करना और उसके लिए प्रयास करना एक बात है और दुख से बचना दूसरी बात। चुनौतियों से पलायन एक ऐसी मानसिक दशा है, जिसका कोई सार नहीं है। विपत्तियां इंसान को तराशने का काम करती हैं, यह हमें नहीं भूलना चाहिए।

जीवन में सुख और दुख का आपस में गहरा संबंध है। अधिकतर लोग जीवन में सुख चाहते हैं और दुख से बचना चाहते हैं, पर वास्तविकता यह है कि सुख और दुख दोनों ही जीवन के अभिन्न अंग हैं। दुख के बिना सुख का मूल्य नहीं समझा जा सकता और सुख के बिना दुख असह्य हो जाता है। ये दोनों अनुभव हमें जीवन में सीख देते हैं और हमें मजबूत बनाते हैं। यही इनकी विशेषता है और यही हमें जीवन की गहराई को समझने में मदद करता है। जबकि आत्मिक सत्य की प्राप्ति हमें शाश्वत आनंद का मार्ग दिखाती है। इसका अर्थ है सुख-दुख के द्वंद्व से परे ऐसी आंतरिक अवस्था पाना, जहां शाश्वत शांति और आनंद का अनुभव हो। यह आनंद बाहरी कारणों पर नहीं, बल्कि आत्मा की पवित्रता, तत्त्व की शुद्धता और आत्मिक स्थिरता पर आधारित होता है।

सुख और दुख भी आंतरिक द्वंद्व हैं। ये मानव जीवन के दो मूलभूत अनुभव हैं, जैसे सिक्के के दो पहलू। हमारे आत्मिक सत्य की गहराई को समझने और जानने के लिए सुख-दुख के अनुभवों को समझना आवश्यक है, क्योंकि ये आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। जीवन में सुख वह अवस्था है, जिसमें मन संतोष, आनंद और शांति का अनुभव करता है। यह किसी भौतिक वस्तु की प्राप्ति, इच्छा की पूर्ति या किसी सकारात्मक घटना के कारण उत्पन्न होता है। ऐसा सुख प्रायः क्षणिक होता है क्योंकि यह बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर करता है। इसी प्रकार दुख वह अवस्था है जिसमें मन पीड़ा, शोक, असंतोष या निराशा का अनुभव करता है। यह किसी वस्तु के खो जाने, इच्छा अधूरी रह जाने या किसी नकारात्मक घटना के कारण उत्पन्न होता है। दुख भी सुख की तरह क्षणिक होता है और बाहरी कारणों पर आधारित होता है।

देखा जाए, तो सुख-दुख दोनों ही एक-दूसरे के पूरक हैं। तेज चिलचिलाती धूप के बाद किसी ठंडे स्थान पर आने के बाद ही हमें पता चलता है कि गर्मी के बाद मिली ठंडक कितना सुकून देती है। इसी तरह, सघन अंधेरी लंबी रात गुजारने के बाद जब सुबह की आहट होती है, तो बेचैन मन को कितनी तसल्ली मिलती है? हानि की गहन निराशा के बीच लाभ की एक छोटी-सी किरण भी किसी निष्प्राण व्यक्ति के भीतर प्राणों का संचार कर सकती है, इसे कौन समझ सकता है? लंबे समय तक दुख सहने के बाद प्राप्त होने वाले सुख का आनंद ही कुछ और है।

इसलिए दुख है, तो यह नहीं समझना चाहिए कि सुख आएगा ही नहीं। अगर सुखमय जीवन जी रहे हैं, तो दुखमय जीवन की भी कल्पना कर लेना चाहिए, क्योंकि ये जीवन के दो पहलू हैं। एक के बाद एक का आना लगा ही रहता है। मनुष्य का स्वभाव ही आनंदस्वरूप और सत्यस्वरूप है। इस प्रकार आनंद और आत्मिक सत्य मानव के आंतरिक स्वभाव तथा उसकी पहचान से जुड़ा हुआ है। आत्मिक सत्य शाश्वत आनंद का शाश्वत मार्ग है। जब इसे भीतर से जाना और अनुभव किया जाता है, तभी जीवन सत्य धर्म और शुद्ध धर्म का अनुसरण करता है, जहां आत्मा का हर्षोल्लास शाश्वत रूप से बना रहता है।

आत्मिक सत्य को पहचानने का अर्थ है अपनी सच्ची पहचान को अपने भीतर आत्मसात कर लेना। हमारा शरीर, मन या भावनाएं नहीं हैं, बल्कि एक शाश्वत, अपरिवर्तनशील आत्मा हैं। और आत्मा परमात्मा का ही अंश है, जो पूरी तरह से आनंदस्वरूप है। सत् का अर्थ ही है अस्तित्व और चित् का अर्थ है चेतना। आनंद का अर्थ है आत्मा का हर्षोल्लास। यही है आत्मिक सत्य की अनुभूति-सत्-चित्-आनंद। ये सब हमें प्राप्त हो सकता है आंतरिक साधना से। इसके लिए बाहरी साधनाओं की कतई आवश्यकता नहीं होती।

मनुष्य लगातार न सुखी रह सकता है, न ही दुखी। जितना दुखी प्राणी होगा, उतना ही सुख का भागी भी होगा। पर दुख उसे इतना अधिक निराश कर देता है कि वह सुख की कल्पना ही नहीं कर पाता। इसी तरह जब वह सुखी होता है, तो जरा-भी नहीं सोचता कि इसके बाद दुखों का दौर भी आना है। वह सुख को स्थायी समझता है। दोनों ही स्थितियों को सहजता से स्वीकार करना ही जीवन का मूल उद्देश्य है। भटकाव तब आता है, जब हम केवल सुख की ही कल्पना करते हैं। सवाल है कि क्या हम लगातार अंधेरे में रह सकते हैं या फिर क्या लगातार रोशनी के बीच रह सकते हैं। अंधेरे के बाद रोशनी की आवश्यकता पड़ेगी ही और रोशनी के बाद अंधेरे की आवश्यकता पड़ेगी। जब जीवन में दोनों का होना ही आवश्यक है, तो फिर केवल सुख की कल्पना करना कहां तक उचित है? एक बात तय है कि दुख बहुत सताता है, पर जीने का सच्चा अर्थ समझाता भी यही है।

एसआईआर की सार्थक पहल का विरोध नहीं, स्वागत हो

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार के बाद अब देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष ग्रहण पुनरीक्षण (एसआईआर) की शुरुआत करने की घोषणा करके चुनाव विसंगतियों एवं कमियों को दूर करने का सराहनीय एवं साहसिक कार्य किया है। यह पहल न केवल तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया भर है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने की एक निर्णायक कोशिश है। लोकतंत्र की आत्मा उसके निर्वाचन तंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता में बसती है और चुनाव आयोग का यह कदम उसी दिशा में एक ठोस, सकारात्मक और आवश्यक प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया से सबक लेते हुए इस बार आयोग ने प्रक्रिया के लिए अधिक समय दिया है, ताकि बिहार जैसी जल्दबाजी और अफरातफरी से बचा जा सके। आधार कार्ड को एक सहायक दस्तावेज़ के रूप में स्वीकार किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल बनेगी।

निश्चित ही इस बार 12 राज्य संख्या में ज्यादा हैं तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, गोवा, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप हैं, इनमें से केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल विधानसभा चुनाव है, लेकिन उसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया। आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन एसआईआर में इसे एक डॉक्युमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का मसला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुंच में हों और आधार आज पहचान का सबसे सरल जरिया है।

मतदाता सूची की सटीकता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता लोकतंत्र की रीढ़ है। भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में मतदाता सूची की सटीकता सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिये एक निश्चित अन्तराल के बाद एसआईआर की प्रक्रिया होते रहना अपेक्षित है। इसके पहले एसआईआर करीब दो दशक पहले किया गया था। कम से कम अब तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एसआईआर में इतना अंतराल न आने पाए, क्योंकि अब लाखों लोग नौकरी-पेशे के चलते अन्यत्र चले जाते हैं। इनमें से अधिकांश वहीं बस जाते हैं। कई बार देखा गया है कि मृत व्यक्तियों के नाम सूची में बने रहते हैं, वहीं नये पात्र नागरिकों के नाम दर्ज नहीं हो पाते। ग्रामीण इलाकों से लेकर महानगरों तक, इस विसंगति के चलते मतदान प्रतिशत प्रभावित होता है और चुनावी परिणामों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगता है। एसआईआर का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह पहल-इन खामियों को दूर करने की दिशा में एक संगठित और वैज्ञानिक लोकतांत्रिक प्रयास है। यदि यह कार्य धरातल पर ईमानदारी से लागू हुआ, तो यह मतदाता सूची की पवित्रता और लोकतंत्र की गरिमा दोनों को बढ़ाएगा।

भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिये यह बहुत जरूरी है, इसके लिये राजनीतिक दलों की भूमिका एवं सहयोग अपेक्षित है, वे इस प्रक्रिया को सकारात्मक दृष्टि से लें। इस सराहनीय एवं नितांत अपेक्षित उपक्रम के लिये विपक्षी दलों के द्वारा विरोध का वातावरण बनाना एवं आस्तीनें चढ़ाना उनकी विश्वसनीयता एवं जिम्मेदारी पर प्रश्न खड़ा करता है। अक्सर देखा गया है कि जब चुनाव आयोग सुधारात्मक कदम उठाता है, तो विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। परंतु लोकतंत्र का स्वास्थ्य तब ही सुदृढ़ होगा जब सभी दल 'पारदर्शिता' को 'राजनीतिक लाभ-हानि' से ऊपर रखेंगे। विपक्ष को चाहिए कि वह इस पहल का विरोध करने की बजाय स्वागत करे और इसे सही दिशा में लागू कराने में सहयोग दे, न कि शंका और अविश्वास के चश्मे से देखे। बहरहाल, राजनीतिक पार्टियों की यह महती जिम्मेदारी है कि वे सिर्फ दोषारोपण करने तक सीमित न रहें, बल्कि इस पूरी प्रक्रिया में अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। इसी तरह, नागरिक संगठनों के लिए भी यह सक्रिय होने का समय है। उनकी निगरानी बीएलए के काम को अधिक सरल व सटीक बना सकती है। कुल मिलाकर पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने का सपना दिखाने वाले चुनाव आयोग के सामने अभी अपनी इस प्राथमिक जिम्मेदारी को ही निर्विवाद रूप से पूरा करने की चुनौती है।

डिजिटल युग में चुनाव सुधार केवल मानव संसाधन या प्रशासनिक इच्छाशक्ति का नहीं, बल्कि तकनीकी पारदर्शिता का भी प्रश्न है। बायोमेट्रिक सत्यापन, ऑनलाइन नामांकन और डेटा क्रॉस-वेरिफिकेशन जैसे उपाय अब आवश्यक हो चुके हैं। विशेष ग्रहण पुनरीक्षण इस दिशा में आधारभूत कार्य करेगा यानी चुनावी डाटा की सफाई और पुनर्गठन। भारत की चुनावी प्रक्रिया विश्व में सबसे बड़े लोकतांत्रिक अभ्यास के रूप में जानी जाती है। लेकिन यह गौरव तभी सार्थक होगा जब मतदाता सूची, मतदान केंद्रों की निष्पक्षता और आचार संहिता के पालन में कोई संदेह न रहे। चुनाव आयोग की यह पहल उसी लक्ष्य की ओर एक ठोस कदम है। लोकतंत्र केवल मतों की गिनती नहीं, बल्कि विश्वास की गिनती है और यह विश्वास चुनाव आयोग की ईमानदारी, पारदर्शिता और सक्रियता पर टिका है। जन-प्रतिनिधित्व कानून, 1950 की धारा 21 चुनाव आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और उनको संशोधित करने का अधिकार देती है। मतदाता सूचियों को दुरुस्त करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की अनिवार्य आवश्यकता भी है। विडंबना यह है कि कुछ दलों को इस आवश्यकता की पूर्ति किया जाना रास नहीं आ रहा है। उन्होंने बिहार में एसआईआर को लेकर आसमान सिर पर उठाया और वोट चोरी के जुमले के सहारे सड़कों पर उतरने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया। मगर उनकी दाल न सुप्रीम कोर्ट के समक्ष गली और न ही बिहार की जनता के बीच तो इसीलिए कि वे कोरा दुष्प्रचार कर रहे थे।

ज्ञानेश कुमार की यह पहल केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति में नवीनीकरण का संदेश है। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास की परीक्षा भी है। यदि यह अभियान ईमानदारी और जनसहभागिता के साथ पूरा होता है, तो यह भारत के लोकतंत्र को और परिपक्व बनाएगा। अब जिम्मेदारी केवल चुनाव आयोग की नहीं, बल्कि हर नागरिक और राजनीतिक दल की भी है कि वे इस सुधारात्मक पहल का स्वागत करें और लोकतंत्र के इस महापर्व को निष्कलंक बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं। क्या यह विचित्र नहीं कि विपक्षी दल मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों की शिकायत भी करते हैं और उनके पुनरीक्षण का विरोध भी? हालांकि उनके दुष्प्रचार की पोल खुल चुकी है, फिर भी चुनाव आयोग को इसके लिए तैयार रहना होगा कि विपक्ष शासित राज्य एसआईआर की प्रक्रिया का विरोध कर सकते हैं। उसे इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि मतदाता सूचियों को ठीक करने की प्रक्रिया में किसी तरह की गलती न होने पाए, क्योंकि विपक्षी दल छोटी-छोटी बातों को तूल देकर इस संवैधानिक प्रक्रिया को श्रीहीन करने की चेष्टा कर सकते हैं।

जनपद में शुरू होगा विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण अभियान, जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण का उद्देश्य सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करना-जिला निर्वाचन अधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला मजिस्ट्रेट /जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने आज निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण राजनीतिक दलों के संबंध में बैठक की और पदाधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के अनुक्रम में राजनीतिक दलों से सहयोग की अपेक्षा की और उन्हें कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दिया। भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के द्वितीय चरण में देश के 12 राज्यों में विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण कराने का निर्णय लिया है। इन राज्यों में उत्तर प्रदेश भी शामिल है। यह पुनरीक्षण आयोग द्वारा जारी किये गये दिशा-निर्देशों और समय-सारणी के अनुसार आयोजित किया जायेगा। इस विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हों।

जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने बताया की प्रदेश में इसके पहले विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण वर्ष 2003 में हुआ था। लगभग 22 वर्ष के अंतराल के बाद पुनः भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार की जा रही है। जनपद में मतदाता सूची को शुद्ध व समावेशी बनाने के लिए विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण (एसं) का कार्य 28 अक्टूबर, 2025 दिन मंगलवार से शुरू हो गया है।

जिला निवार्चन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार सर्वप्रथम 28 अक्टूबर से 03 नवम्बर, 2025 तक विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण (एसं) से संबंधित तैयारी, प्रशिक्षण एवं गणना प्रपत्रों का मुद्रण किया जायेगा। 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2025 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का मतदाताओं को वितरण किया जायेगा एवं प्रपत्रों को भरवाकर प्राप्त किया जायेगा। 09 दिसम्बर, 2025 को आलेख्य मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। दावे और आपत्तियां दाखिल किये जाने की अवधि 09 दिसम्बर, 2025 से 08 जनवरी, 2026 तक होगी। नोटिस जारी किये जाने, सुनवाई एवं सत्यापन व दावे और आपत्तियों का निस्तारण एवं गणना प्रपत्रों पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण

अधिकारी द्वारा निर्णय किये जाने की अवधि 09 दिसम्बर, 2025 से 31 जनवरी, 2026 तक होगी। 07 फरवरी, 2026 को अन्तिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण को लेकर सभी राजनैतिक दलों के साथ आज बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा बूथ लेविल अधिकारी को प्रशिक्षण दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देश दिये गये हैं कि किसी भी मतदेय स्थल पर 1200 से अधिक मतदाता न हों, इसके लिए मतदेय स्थलों के सत्यापन एवं सम्भाजन की प्रक्रिया भी इस दौरान पूर्ण की जायेगी।

उत्तर प्रदेश में वर्तमान में लगभग 15.44 करोड़ मतदाता तथा 1, 62, 486 मतदेय स्थल है। प्रदेश में 75 जिला निर्वाचन अधिकारी, 403 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 2, 042 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और 1, 62, 486 बूथ लेवल अधिकारी कार्यरत हैं जबकि जनपद भदोही में कुल मतदाता 1233324 है जिसमें मतदेय स्थल 1256 मतदान केंद्र 703 हैं निर्वाचन रजिस्ट्री करण अधिकारी जनपद में 3 हैं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 15, बूथ लेवल अधिकारी 1256 है।

मतदाता सूची के प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम अन्तर्गत बी0एल0ओ0 द्वारा घर-घर जाकर एनुमरेशन फार्म का वितरण किया जायेगा। तपश्चात मतदाता द्वारा फार्म भरकर बी0एल0ओ0 को उपलब्ध कराया जायेगा। इस कार्य अन्तर्गत यदि किसी मतदाता का जन्म भारत में 01..07.1987 के पूर्व हुआ है, तो ऐसे मतदाता जिनका नाम 2003 की मतदाता सूची में है, ऐसे मतदाता का केवल एनुमरेशन फॉर्म भरवाना है और दस्तावेजों के रूप में केवल 2003 की मतदाता सूची का साक्ष्य अपलोड करना है। यदि किसी मतदाता जन्म भारत में 01.07.1987 के पूर्व हुआ है और 2003 की मतदाता सूची में नाम दर्ज नही है तो जन्म तिथि या जन्म स्थान को प्रमाणित करने के लिए नीचे दी गई सूची में से कोई दस्तावेज उपलब्ध कराना होगा।

यदि किसी मतदाता का जन्म भारत में 01.07.1987 और 02.12.2004 के मध्य हुआ है तो अपने जन्म तिथि और जन्म स्थान प्रमाणित करने के लिए नीचे दी गयी सूची में से कोई भी दस्तावेज उपलब्ध कराना होगा एवं पिता या माता की जन्म तिथि और जन्म स्थान प्रमाणित करने के लिए नीचे दी गई सूची में से कोई दस्तावेज उपलब्ध कराना होगा।

यदि किसी मतदाता का जन्म भारत में 02.12.2004 के बाद हुआ है तो अपने जन्म तिथि या जन्मस्थान को प्रमाणित करने के लिए नीचे दी गयी सूची में से कोई भी दस्तावेज उपलब्ध कराना होगा। पिता एवं माता के जन्म तिथ और जन्म स्थान को प्रमाणित करने के लिए नीचे दी गयी सूची में से कोई भी दस्तावेज उपलब्ध कराना होगा।

मान्य दस्तावेज : 1- केंद्रीय/राज्य/सार्वजनिक उपक्रम के नियमित कर्मचारी / पेंशनभोगी को निर्गत कोई पहचान पत्र / पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ)।

2-सरकार / स्थानीय प्राधिकरण/बैंक / डाकघर / एलआईसी / सार्वजनिक उपक्रम द्वारा भारत में 01.07.1987 से पूर्व निर्गत किया गया कोई भी पहचान पत्र / प्रमाण पत्र/दस्तावेज ।

3-सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत जन्म प्रमाण पत्र ।

4-पासपोर्ट

5- मान्यता प्राप्त बोर्ड / विश्वविद्यालयों द्वारा निर्गत मैट्रिकुलेशन / शैक्षणिक प्रमाण पत्र।

6- सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा निर्गत स्थायी निवास प्रमाण पत्र।

7-वन अधिकार प्रमाण-पत्र

8-सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति अथवा कोई जाति प्रमाण पत्र ।

9-राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहां यह उपलब्ध हो)।

10-राज्य / स्थानीय प्राधिकारी द्वारा निर्गत परिवार रजिस्टर की नकल / प्रति ।

11-सरकार द्वारा आवंटित भूमि / मकान का प्रमाण पत्र।

12-आधार कार्ड

13- 01.07.2025 के संदर्भ में बिहार के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की निर्वाचक नामावली का उद्धरण

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य, तीनों निर्वाचन रजिस्ट्री करण अधिकारी, भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी, बसपा , कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, अपना दल कम्युनिस्ट पार्टी के जनपद प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

थाना सुरियावां अन्तर्गत कसियापुर से आभूषण सहित घर का सामान चोरी करने वाले 02 शातिर चोर गिरफ्तार

कब्जे से चोरी की 3 अदद अंगूठी पीली धातु, चैन सफेद धातु, 6 अदद मीना सफेद धातु एवं घरेलू सामान बरामद

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना सुरियावा पर आवेदक छंटकी लाल कन्नौजिया पुत्र रामगरीब निवासी ग्राम महजूदा थाना सुरियावां जनपद भदोही दिनांक 05/10/2025 को अपने घर में ताला बन्द करके अपनी पत्नी सलावती देवी के साथ मुम्बई चले गये। घर पर कोई नहीं था दिनांक 17/10/2025 को समय करीब 08 बजें रात को जब घर वापस आये तो घर के मुख्य दरवाजे पर लगा ताला एवं अन्दर दो कमरों का ताला टूटा हुआ था। सामान बिखरा था। सामान चोरी हो गया है। प्राप्त तहरीर पर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मु0अ0सं0-357/2025 धारा-305(1), 331(1) भा.न्या.सं. का अभियोग पंजीकृत करते हुए विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई।

अभिमन्यु मांगलिकपुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा जनपद में चुस्त दुरुस्त कानून व्यवस्था के दृष्टिगत चोरी की घटनाओं के शीघ्र अनावरण व पंजीकृत अभियोग से सम्बंधित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु निर्देश के क्रम मे दिनांक 29.10.2025 को में थाना सुरियावां पुलिस टीम द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर ग्राम कसियापुर सदौवपुर मार्ग के पुलिया से मु0अ0सं0-357/2025 धारा-305(1), 331(1) भा.न्या.सं. से संबंधित प्रकाश में आए 02 शातिर चोरों गोविन्दा कन्नौजिया पुत्र लालमन निवासी महजूदा थाना सुरियावा जनपद भदोही उम्र 22 वर्ष एवं विवेक

पाठक पुत्र स्व0 रामपरावन पाठक निवासी खामाबीर जोरई थाना जानपुर जनपद भदोही उम्र 18 वर्ष को गिरफ्तार करते हुए कब्जे से पंजीकृत अभियोग से संबंधित 03 अदद अंगुठी पीली धातु व 06 अदद मीना पुराना इस्तेमाली सफेद धातु व सफेद धातु का टूटा हुआ चैन कुछ टूटे हुये पायल का टुटन व एक अदद परात व एक अदद पंखा तथा ग्राम निदिउरा पट्टी बेजांव से निर्माणाधीन घर से चोरी किये समरसिबल के बिक्री का खर्च से बचा ?1000/- व तार बरामद करने में सफलता प्राप्त हुई है। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर पंजीकृत अभियोग का सफल अनावरण करते हुए पंजीकृत अभियोग में धारा-317(2) बी.एन.एस की बढ़ोत्तरी करते हुए विधिक कार्यवाही की गई।

पूछ ताछ करने पर अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि इसके पहले हम दोनों लोगों ने मिल कर ग्राम निदिउरा पट्टी बेजाव मोड़ के पास निर्माणाधीन मकान के सामने से समरसेबल लगा था जिसे तार सहित चोरी कर लिया था जिसे एक अजात ट्रक ड्राइवर को बेच दिया है और केवल अपने घर में रखा है। जिसे कब्जा पुलिस में लिया गया। तथा समरसेबल को हमने तीन हजार रुपये में बेचा था जिसे 1500-1500 रुपया दोनों लोगों ने बांट लिया है। जिसका एक हजार रुपया मेरे पास बचा है। निकाल कर दिया जिसे कब्जा पुलिस में लिया गया।

मिशन शक्ति फेज 5.0 : जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज व रामानंद पूर्व माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक भदोह अभिमन्यु मांगलिकके निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल जनपद भदोही के पर्यवेक्षण में पुलिस द्वारा व्यापक जन-

जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 29.10.2025 को जिला पंचायत बालिका इंटर कालेज गोपीगंज थाना गोपीगंज जनपद भदोही में एंटी रोमियो टीम महिला आरक्षी मीरा यादव व पूनम यादव व थाना चौरी क्षेत्र अंतर्गत रामानंद पूर्व माध्यमिक विद्यालय खुर्द में एंटी रोमियो टीम द्वारा छात्राओं को अधिकारों, सुरक्षा संसाधनों व कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

छात्राओं को कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण के तहत महिला सुरक्षा व बचाव संबंधी जानकारी दी गई और शासन द्वारा जारी हेल्प लाइन नम्बर, जैसे-1090, 112, 1076, 1098, 108की विस्तृत जानकारी देते हुए संकट के समय इनके प्रयोग हेतु बताया गया। साथ ही साइबर अपराधों के संबंध में अवगत कराते हुए इससे बचने और सतर्क रहने हेतु 1930हेल्प लाइन नंबर का उपयोग करने के संबंध में जानकारी दी गई। सरकार द्वारा महिलाओं से संबंधित संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित उन्हें जागरूक किया गया।

इसी क्रम में जनपद के सभी थानों के मिशन शक्ति/एंटी रोमियो टीम द्वारा चौपाल लगातार एवं भ्रमण कर मिशन शक्ति केंद्र, साइबर हेल्पडेस्क, एंटी रोमियो स्क्वाड एवं पुलिस अधीक्षक व थाना सीयूजी नंबर की जानकारी देकर महिलाओं को आत्मरक्षा व जागरूकता के प्रति प्रेरित किया।

जनपद भदोही पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु जन-जागरूकता अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है।

भदोही को मिला अपना विश्वविद्यालय, काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अब बनेगा 'काशी नरेश विश्वविद्यालय'

ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कदम

भदोही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच को सशक्त बनाने के लिए एक और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अब भदोही (संत रविदास नगर) के काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ज्ञानपुर को 'काशी नरेश विश्वविद्यालय, भदोही' के रूप में स्थापित किया जाएगा।

इस निर्णय के तहत उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 में संशोधन किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2025 के प्रख्यापन का प्रस्ताव तैयार किया है। संशोधन अधिनियम की धारा-4, धारा-50, धारा-52 तथा अनुसूची में आवश्यक परिवर्तन किए जाएंगे, जिससे प्रस्तावित विश्वविद्यालय का औपचारिक गठन संभव हो सके।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अपने ही जनपद में उच्च शिक्षा के अवसर मिलें, जिससे उन्हें महानगरों की ओर पलायन न करना पड़े। काशी नरेश विश्वविद्यालय, भदोही के गठन से न केवल जनपद के विद्यार्थियों को उच्चस्तरीय शिक्षा उपलब्ध होगी, बल्कि पूरे पूर्वांचल क्षेत्र में शैक्षिक गतिविधियों को भी नई दिशा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार पहले ही राज्य में गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुख और सुलभ उच्च शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठा चुकी है। नए विश्वविद्यालयों की स्थापना, स्वायत्तता में वृद्धि और शोधोन्मुख शिक्षा पर बल देते हुए सरकार ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश को नई पहचान दी है। काशी नरेश विश्वविद्यालय की स्थापना इसी श्रृंखला का एक और सशक्त अध्याय होगी।

भारतीय संस्कृति का महापर्व : गोपाष्टमी पर्व पर जिला सूचना अधिकारी ने गौशाला में गौ माता की पूजा-अर्चना व सेवा

गोपाष्टमी का पर्व हमें करुणा, सेवा और संवेदना का संदेश देता है-डॉ. पंकज कुमार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। गोपाष्टमी का पावन त्योहार भक्ति, सेवा और भारतीय संस्कृति का प्रतीक बन गया है। भगवान श्रीकृष्ण और गौ माता को समर्पित इस पर्व पर बुधवार को जिलेभर की गौशालाओं में सेवा एवं श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। गोपाष्टमी पर्व पर जनपद के गौशाला व गायों की पूजा कर गौ रक्षा का संकल्प लिया गया। इसी क्रम में जिला सूचना अधिकारी डॉ पंकज कुमार ने ज्ञानपुर स्थित चक्र धारी गौशाला पहुंचकर गायों की टीका चंदन लगाकर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा- अर्चना, सेवा किया।

गोपाष्टमी का पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। यह मुख्य रूप से दो कारणों से मनाया जाता हैः पहला, जब भगवान कृष्ण पहली बार गाय चराने के लिए निकले थे, और दूसरा, गोवर्धन पूजा के सात दिनों के बाद, जब इंद्रदेव ने अपनी हार स्वीकार कर भगवान कृष्ण का अभिषेक किया था। इस दिन गायों, बछड़ों और भगवान कृष्ण की पूजा की जाती है।

भगवान कृष्ण का गौ-चरण आरंभ करनाः मान्यता है कि इसी दिन भगवान कृष्ण ने पहली बार गायों को चराने के लिए ले जाना शुरू किया था, जिसके कारण इस तिथि को गोपाष्टमी के रूप में मनाया जाता है।

इंद्रदेव का अहंकार भंग होनाःएक अन्य कथा के अनुसार, गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठाने के बाद, सात दिनों तक वर्षा के बाद अष्टमी तिथि को इंद्रदेव ने हार मान ली थी और भगवान कृष्ण की शरण में आकर क्षमा याचना की थी। इसी दिन कामधेनु गाय ने भगवान कृष्ण का अभिषेक किया था, और तभी से यह पर्व मनाया जाने लगा।

गाय और कृष्ण की पूजाःइस दिन भक्त गायों और बछड़ों की पूजा करते हैं, उन्हें सजाते हैं और उनकी सेवा करते हैं। इसके अलावा, भगवान कृष्ण की पूजा भी की जाती है, जिससे जीवन में शांति और

समृद्धि आती है।

डॉ. पंकज कुमार ने अपने हाथों से गौ माता को स्नान कराया, हरा चारा, गुड़ व केला खिलाया और आरती उतारकर जनमानस से गौसेवा की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि गोपाष्टमी पर गायों की पूजा करने से व्यक्ति को सभी पापों से मुक्ति मिलती है और जीवन में सुख-शांति का वास होता है। उन्होंने बताया कि गोपाष्टमी का पर्व भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवंश की सेवा के आरंभ का प्रतीक है। यह दिन हमें करुणा, सेवा और संवेदना का संदेश देता है। जिला सूचना अधिकारी डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि 'गौ माता भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं, उनका संरक्षण और सम्मान करना हर व्यक्ति का धर्म है।' यह पर्व हमें आत्मिक शांति और सामाजिक एकता का संदेश देता है।' उन्होंने गौशाला में सफाई व्यवस्था, पशुओं के भोजन-पानी और चिकित्सा सुविधा की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिया कि गौशाला में स्वच्छता, रोशनी और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था बनी रहे।

चक्रधारी गौशाला चक टोडर ज्ञानपुर के संचालक मिंटू तिवारी ने बताया कि वे गायों की वर्ष भर सेवा करते है जिससे उनका जीविपार्जन के साथ ही आत्मिक संतुष्टि मिलती है। उन्होंने जन मानस से गो-वध रोकने हेतु गोपूजन में अपना अमूल्य योगदान तथा स्वस्थ्य सनातन संस्कृति के उत्थान हेतु संकल्प लेते हुये गोपूजन कर अमृत लाभ लेने की अपील किया।

कार्यक्रम में मौजूद स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों ने भी गौ पूजन व सेवा किया। उपस्थित लोगों ने भी गौ सेवा का संकल्प लिया। गौशाला परिसर में दिनभर भजन-कीर्तन, आरती और 'जय गौ माता' के जयघोष गूंजते रहे, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बन गया।

गोपाष्टमी के दिन देशी गायों को स्नान कराएं। तिलक करके पूजन करें व गोग्रास दें। गायों को अनुकूल हो, ऐसे खाद्य पदार्थ खिलाएं, सात परिक्रमा व प्रार्थना करें तथा गाय की चरण रज सिर पर लगाएं। इससे मनोकामनाएँ पूर्ण होती है एवं सौभाग्य की वृद्धि होती है। गोपाष्टमी को गौहत्या बंद करने के लिए संकल्प ले कि देशी गाय का दूध, दही, घी, गोबर उपयोग करेंगे।

कार्यक्रम में पुजारी राकेश तिवारी, पुजारी पांडेय, रमाशंकर मिश्रा , अंजनी शुक्ला, अमरेश दुबे , प्रियंका त्रिपाठी , आराध्या तिवारी , हर्ष पांडेय, कैलाश तिवारी, नितेश श्रीवास्तव, बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चों ने भी गौ पूजा कर गौ सेवा करते हुए संकल्प लिया।

जनपद स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ शुभारम्भ

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला स्टेडियम मूसी, भदोही में 27 वीं जनपद स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता- 2025 जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भदोही विकास चौधरी के नेतृत्व में प्रारंभ हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलापंचायत अध्यक्ष, भदोही श्री अनिरुद्ध त्रिपाठी तथा विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी महोदय भदोही श्री शैलेश कुमार जी के कर - कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी महोदय द्वारा बच्चों को खेल के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि उनके बच्चों का सर्वांगीण विकास पढ़ाई लिखाई के साथ साथ खेलकूद सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभिन्न पाठ्य सहगमी क्रियाओं के द्वारा ही किया जाता है। ऐसे में सभी बच्चों को किसी न किसी स्तर पर इनमें प्रतिभाग कराना आवश्यक होता है। इसी क्रम में ये प्रतियोगिताएं विद्यालय स्तर से देश स्तर तक आयोजित की जाती हैं। मुख्य अतिथि जिलापंचायत अध्यक्ष महोदय ने कहा कि खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बच्चों में नेतृत्व क्षमता अनुशासन और क्रिएटिविटी के गुण विकसित होते हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय श्री विकास चौधरी द्वारा जीवन में खेलो के महत्व पर विचार व्यक्त किया गया। संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि महोदय द्वारा मशाल जलाकर औपचारिक रूप से खेल का शुभारंभ किया गया। जिसमे बच्चों ने काफी उत्साह से साथ प्रतिभाग किया।

100 मीटर बालक, बालिका दौड़ में क्रमशः नितेश कुमार एवं प्रियल मौर्या, भदोही विकासखंड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।200 मीटर बालक, बालिका दौड़ में क्रमशः गंगा प्रसाद, ज्ञानपुर और प्रतीक्षा पाल, औराई विकासखंड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।400 मीटर बालक बालिका दौड़ में क्रमशः गंगा प्रसाद, ज्ञानपुर और नीलू यादव, औराई ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

600 मीटर बालक, बालिका दौड़ में क्रमशः कृष्ण कुमार, अभोली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पीटी विशेष प्रदर्शन एवं योग में ऊझ भुलईपुर, भदोही का दबदबा रहा। लम्बी कूद में प्रिया पटेल, भदोही गोला फेंक में पूनम उपाध्याय, ज्ञानपुर एवं कबड्डी में बालिका वर्ग में अभोली विकासखंड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। खो खो में भदोही विकासखंड का बालक बालिका दोनों संवर्ग का दबदबा रहा। मंच संचालन का कार्य बी. एल पाल एवं जया त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम के सहयोग में समस्त खंड शिक्षा अधिकारी, भदोही जिला व्यायाम शिक्षक मनोज उपाध्याय एवं समस्त ब्लॉक व्यायाम शिक्षक एवं खेल अनुदेशकों एवं शिक्षक शिक्षकाएं उपस्थिति रही।

लौह पुरुष सरदार 150 एक भारत आत्मनिर्भर भारत अभियान के अन्तर्गत आयोजित होगें विविध कार्यक्रम

'स्वतंत्रता के बाद 560 से अधिक रियासतों को एक राष्ट्र में एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका का सरदार पटेल ने किया निर्वहन-जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भारत रत्न, लौह पुरुष, भारतीय एकता के शिल्पकार सरदार बल्लभ भाईपटेल की 150 जयंती पर ''एक भारत आत्मनिर्भर भारत'' अभियान के अन्तर्गत आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों की जिलाधिकारी शैलेष कुमार व मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल ने विस्तृत जानकारी देते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि इस वर्ष सरदार वल्लभभाई पटेल, जिन्हें भारत के लौह पुरुष के रूप में याद किया जाता है, की 150वीं जयन्ती का महत्वपूर्ण अवसर है। एक दूरदर्शी राजनेता और राष्ट्रीय एकता के निर्माता, सरदार वल्लभभाई पटेल ने स्वतंत्रता के बाद 560 से अधिक रियासतों को एक राष्ट्र में एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया गया है। उनकी चिरस्थायी विरासत का सम्मान करने और एकता, देशभक्ति और सेवा के उनके आदर्शों को सुदृढ़ करने के लिए, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पूरे देश में सरदार 150 समारोह का आयोजन किया जा रहा है। सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र के प्रति योगदान के सम्बन्ध में सभी नागरिकों व विशेषकर युवाओं में जागरुकता बढ़ाने के लिए पदयात्रा तथा कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की जा रही है एकता मार्च एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन व राष्ट्रीय एकता के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक है और एक मजबूत और एकजुट भारत के निर्माण में सरदार वल्लभभाई पटेल के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। यह मा0 प्रधानमंत्री जी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी प्रदर्शित करता है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती दिनांक 31 अक्टूबर, 2025 के अवसर पर पुलिस लाईन से प्रातः 8.30बजे पद यात्रा/एकता मार्च निकाली जायेगी जिसका समापन जिला पंचायत सभागार में संगोष्ठी के माध्यम से होगा। जनपद स्तर पर आयोजित की जाने वाली पद यात्रा का नेतृत्व मा0 सांसद/मा0 विधान सभा/विधान परिषद् के सदस्यों के नेतृत्व में किया जाएगा। उक्त पदयात्रा में आवश्यक सहयोग माई भारत के जिला युवा अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। इसके साथ स्वच्छता अभियान, स्वदेशी मेले, नशा मुक्ति अभियान, सरदार पटेल की विरासत पर सेमिनार व वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आदि आयोजित की जाएंगी। जनपद स्तर पर आयोजित की जाने वाली पद यात्रा में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय नेता, युवा प्रतिनिधि एवं स्वयंसेवक तथा मंगल दल के सदस्यों तथा स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया जाएगा।

बिहार के बाद यूपी में गरमाई एसआईआर पर सियासत, शुरू चुनावी जंग की दस्तक!

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश में अभी चुनाव की तारीख भले तय न हुई हो लेकिन सियासत का पारा अब धीरे-धीरे चढ़ने लगा है। चुनाव आयोग ने जैसे ही वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की वैसे ही सियासी गलियारों में गर्मी बढ़ गई है। एक तरफ आयोग मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने की बात कर रहा है दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी ने इस प्रक्रिया पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रदेश में चुनाव को भले ही 1 साल का समय हो लेकिन चुनाव आयोग ने जैसे ही वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की वैसे ही सियासी गलियारों में गर्मी बढ़ गई है। एक तरफ आयोग मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने की बात कर रहा है तो दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी ने इस प्रक्रिया पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। सपा का आरोप है कि वोटर लिस्ट बनाने में लगे अधिकारियों की पोस्टिंग जाति और धर्म देखकर की जा रही है। जिससे पूरे सिस्टम की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। यानी अभी चुनावी बिगुल बजा भी नहींष्ठ लेकिन राजनीतिक जंग की दस्तक साफ-साफ सुनाई देने लगी है।

बता दें कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने भी चुनाव आयोग द्वारा देशभर में कराई जा रहे एसआईआर पर सवाल उठाया है। उनका कहना है कि आखिर एसआईआर कराने के पीछे की मंशा क्या है? इतने चुनाव हो चुके हैं, क्या अब तक सभी अनडेमोक्रेटिक थे? सरकार की नीयत ठीक नहीं लगती. यह पूरी तरह से लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश है।

वहीं विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि कांग्रेस, सपा और इंडिया गठबंधन फेक मतदाता सूची के आधार पर चुनाव प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है...उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को धन्यवाद देना चाहिए, , , क्योंकि आयोग ऐसे फेक मतदाताओं को एसआईआर के ज़रिए चिन्हित करके बाहर कर रहा है।

वहीं मतदाता सूची के संशोधन और सत्यापन प्रक्रिया के दूसरे चरण को लेकर केंद्रीय मंत्री और अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची में संशोधन का पूरा अधिकार है, ताकि देशभर में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित किए जा सकें। अनुप्रिया पटेल ने कहा, 'चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसे मतदाता सूची में आवश्यक सुधार और संशोधन करने का पूरा अधिकार प्राप्त है। फर्जी मतदाताओं के नाम हटाए जाना जरूरी है। ऐसा करने से लोकतांत्रिक प्रक्रिया और मजबूत होगी।' उन्होंने आगे कहा कि सभी पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल होना चाहिए ताकि कोई भी व्यक्ति अपने मताधिकार से वंचित न रहे। कुल मिलाकर, मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर सियासत गर्म है... चुनाव आयोग पारदर्शिता की दुहाई दे रहा है, , , तो विपक्ष इसे लोकतंत्र पर हमला बता रहा है...अब देखना ये है कि मतदाता सूची का ये संशोधन अभियान आने वाले विधानसभा चुनाव में किसकी जमीन मजबूत करता है और किसकी खिसकाता है।

ज्ञानवापी मस्जिद : सीलबंद वजूखाने के तले पर लगा कपड़ा बदलने पर दोनों पक्ष सहमत, फैसला सुरक्षित

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी के जिला अदालत ने ज्ञानवापी परिसर स्थित सीलबंद वजूखाने के ताले पर लगे कपड़े को बदलने के लिए दोनों पक्षों से सहमति लेने के बाद आदेश को 10 नवंबर के लिए सुरक्षित रख लिया है। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि जिला अदालत ने बुधवार को हिन्दू और मुस्लिम दोनों पक्षों से ज्ञानवापी परिसर स्थित सील बंद वजूखाने के ताले पर लगे कपड़े को बदलने के लिए सहमति ले ली तथा 10 नवंबर के लिए आदेश सुरक्षित रख लिया।

उन्होंने बताया कि पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा था कि चूंकि मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है इसलिए वह स्वयं कोई आदेश जारी नहीं कर सकती। यादव के अनुसार अदालत ने कहा था कि अगर दोनों पक्ष सहमत हो तो ताले पर लगे कपड़े को बदला जा सकता है। मई 2022 में अदालत के आदेश पर ज्ञानवापी परिसर के सर्वेक्षण के दौरान दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) और उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाना क्षेत्र को सील कर दिया गया था।

यादव ने बताया कि ताले पर बंधा कपड़ा समय के साथ फट और घिस गया है तथा किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए हिंदू पक्ष ने इस वर्ष आठ अगस्त को एक याचिका दायर कर इसे बदलने की अनुमति मांगी थी।

लखनऊ में चलती कार पर फायरिंग, बदमाश ने बनाई रील, लिखा- 'अभी तो ट्रेलर था, फिल्म बाकी है'

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ के शहीद पथ पर उस समय सनसनी फैल गई जब एक बदमाश ने चलती कार पर फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि घटना पुरानी रंजिश के चलते हुई। आरोपी ने कार सवार युवक को निशाना बनाकर दो राउंड गोलियां चलाईं, हालांकि युवक बाल-बाल बच गया। गोलियां उसकी कार के दरवाजे और शीशे में लगीं। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान रितिक पोखाल उर्फ भोला के रूप में हुई है। फायरिंग के बाद आरोपी ने इंस्टाग्राम पर एक रील पोस्ट की, जिसमें उसने लिखा, 'अभी तो ट्रेलर था, फिल्म बाकी है।' इस पोस्ट के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

पीड़ित युवक ने बताया कि रितिक पहले भी उसे धमकी दे चुका है। दीपावली के दिन आरोपी ने उसके घर के बाहर तोड़फोड़ और धमकी दी थी। उसने यह भी आरोप लगाया कि रितिक लखनऊ में एक गैंग चलाता है और इलाके में रंगदारी वसूली करता है। उसका खौफ इतना है कि लोग शिकायत दर्ज कराने से भी कतराते हैं।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। अधिकारियों ने बताया कि रितिक के खिलाफ पहले से ही रंगदारी, धमकी, तोड़फोड़ और मारपीट जैसे कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने फायरिंग की जगह से कारतूस के खोखे बरामद किए हैं और आरोपी की तलाश में कई ठिकानों पर दबिशें दी जा रही हैं। एडीसीपी दक्षिण लखनऊ ने बताया कि यह मामला बेहद गंभीर है और अपराधी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि 'कानून से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा।' फायरिंग की इस घटना के बाद शहीद पथ इलाके में भय और असुरक्षा का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर पुलिस समय पर न पहुंचती, तो कोई बड़ी वारदात हो सकती थी। फिलहाल, पुलिस आरोपी के सोशल मीडिया अकाउंट्स की निगरानी कर रही है और डिजिटल साक्ष्य जुटा रही है।

'उदयपुर फाइल्स' निर्माता को मिली धमकी, कॉल करने वाले मोहम्मद शब्बीर पर पुलिस ने लिया बड़ा एक्शन

संभल (एजेंसी)। जिले में फिल्म निर्माता अमित जानी को फोन पर जान से मारने की धमकी मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के मुताबिक, जानी ने एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है जिसमें कहा गया है कि 27 अक्टूबर को, मुरादाबाद से संभल जाते समय, बिलारी पार करने के तुरंत बाद शाम चार बज कर 19 मिनट पर उन्हें एक फोन कॉल आया।

जानी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया, 'कॉल करने वाले ने खुद को मोहम्मद शब्बीर बताया। उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं 'उदयपुर फाइल्स' या 'संभल फाइल्स' बना रहा हूं। जब मैंने हां कहा, तो उसने धमकी दी कि फिल्म की शूटिंग के दौरान या बिहार चुनाव प्रचार के दौरान, वह मुझे मेरी गाड़ी के साथ उड़ा देगा।'

अधिकारियों ने बताया कि शिकायत के आधार पर हजरत नगर गढ़ी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि फोन करने वाले का पता लगाने और धमकी के मकसद पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

एसआईआर पर गरमाई सियासत : भूपेंद्र चौधरी ने विपक्ष को जमकर घेरा

तेजस्वी यादव की 'एक परिवार, एक नौकरी' योजना पर दिया बड़ा बयान

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने बलिया में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि चुनाव आयोग द्वारा शुरू किया गया मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण अभियान बीस वर्षों बाद चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को सही और पारदर्शी बनाना है। उन्होंने बताया कि लंबे समय से सूची में कई मृतक लोगों के नाम बने हुए हैं, कुछ लोग पलायन कर चुके हैं, और कुछ के नाम गलत पते से दर्ज हैं। इस समीक्षा के बाद एक 'फेयर और अपडेटेड मतदाता सूची' सामने आएगी, जिससे लोकतंत्र और मजबूत होगा।

भूपेंद्र चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दल एक समाज विशेष को गुमराह कर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उनका उद्देश्य भय का वातावरण बनाकर वोट प्राप्त करना है, जो कि लोकतंत्र के हित में नहीं है।

तेजस्वी यादव द्वारा बिहार के बीहट चुनाव में 'एक परिवार, एक नौकरी' देने की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए चौधरी ने कहा कि महागठबंधन की हार तय है। वे केवल लोगों को भ्रमित कर अपने वोट प्रतिशत को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। यह 'हारी हुई लड़ाई' है और ऐसी घोषणाएँ कभी पूरी नहीं हो पाएंगी। कल्याण सिंह नगर नाम से नया जिला बनाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

वहीं मुस्तफाबाद का नाम बदलने के मुद्दे पर चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार सदैव परंपरा, विरासत और आस्था को ध्यान में रखकर निर्णय लेती है। मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए निर्णय से पूरा देश आनंदित है और भाजपा परिवार इसका स्वागत करता है।

आदिवासी समाज की महापंचायत में पहुंचे मामा शिवराज

कहा- वन विभाग हठधर्मिता कर रहा अपने भाइयों के साथ नहीं होगा अन्याय

भोपाल (एजेंसी)। आज बुदनी के भैरूंदा में आदिवासी समाज द्वारा महापंचायत का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में आदिवासी शामिल हुए तो वही इस दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आदिवासियों को संबोधित किया।

आपको बता दें कि विगत दिनों वन विकास निगम व सामान्य द्वारा आदिवासियों को वन भूमि में कब्जे से बेदखल के लिए नोटिस दिए जा रहे हैं, इसके विरोध में आज हजारों की संख्या में आदिवासी भैरूंदा के दशहरा मैदान में एकत्रित हुए और अपनी बात केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के सामने रखी।

इस दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री द्वारा वन विभाग की जा रही कार्रवाई को वन विभाग की हठधर्मिता बताया। उन्होंने कहा कि इस समय केंद्र में और राज्य में हमारी सरकार है उसके बाद भी वन विभाग द्वारा आदिवासियों को अपनी जमीन पर बोनी करने से रोका जा रहा है। उन्होंने कहा गरीब आदिवासी जमीन के छोटे से टुकड़े पर कृषि कार्य कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे हैं, जो वन विभाग से देखा नहीं जा रहा है।

इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व में कांग्रेस द्वारा भी आदिवासियों पर अत्याचार किया जा रहा था। 15 महीने की आई सरकार में भी कांग्रेस द्वारा जमीन को नापने का काम किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नोटिस के कारण आदिवासी दीपावली नही मना पाए, झा आदिवासी वर्षो से कब्जा कर खेती कर रहे है, खून पसीना एक कर खेत बनाया ओर उस पर बोनी नही करने के नोटिस दे दिए गए।

उस समय कांग्रेस सरकार ने भी इन्हे परेशान किया है। उनके मुर्गा-मुर्गी ओर दारू मांगते थे। कांग्रेस की सरकार के खिलाफ हमने संघर्ष किया, आंदोलन किया। वही कृषि मंत्री ने कहा कि हमने नारा दिया था, कि 'जीना है तो लड़ना सीखो' तब हमने आंदोलन किया ओर ट्रैक्टर लेकर भोपाल पहुंचे। वही आज फिर आदिवासी ओर ओबीसी ने पुकारा तो मैं फिर आया हूं। जब बुलाओगे तब आऊंगा।

वही रिटायर्ड वन विभाग के अधिकारी द्वारा चिट्ठी लिखकर बोला है कि शिवराज आदिवासियों को भड़काता है। जिन्होंने नोटिस दिया में उनसे कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार है, यह अन्याय नही हो सकता है। हमारी सरकार हमारे मुख्यमंत्री अन्याय कैसे हो जाएगा।

वही शिवराज चौहान ने कहा कि एक खेल ओर चल रहा है, ऐसे लोग है जो सोच रहे है कि यह हटे तो हम डटे। गरीबों की जमीन पर रिसोर्ट बन रहे है। गरीब के लिए जमीन नही है सीएम मोहन यादव की तारीफ करते हुए शिवराज चौहान ने कहा कि आदिवासियों को एकजुट होकर रहने की बात कही है। आदिवासी महिला व युवाओं की एक बेहतर टीम बनाने की बात कही है। हम सब को एक होकर रहना है।गांव-गांव में ऐसी टीम बनाई जाएगी।

''करप्शन, क्राइम और कम्युनलिज्म' से समझौता नहीं' बोले तेजस्वी यादव- चाहे मेरी परछाई भी क्यों न हो दोषी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने बुधवार को कहा कि उन्हें यदि सत्ता में आने का मौका मिला तो 'करप्शन, क्राइम और कम्युनलिज्म' (भ्रष्टाचार, अपराध और सांप्रदायिकता) से समझौता नहीं किया जाएगा तथा उनकी परछाई भी गलत काम करेगी तो उसे भी सजा मिलेगी।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ यहां सकरा इलाके में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए जनता से आग्रह किया कि उन्हें एक मौका दिया जाए और वह अपने 'प्रण' को पूरा करने के लिए प्राण न्यौछावर कर देंगे। उनका कहना था, ''सरकार बनने पर जो भी अपराध करेगा, उसे तेजस्वी सलाखों के पीछे भिजवाएगा, चाहे वह अपना हो या पराया। 'करप्शन, क्राइम और कम्युनलिज्म' से तेजस्वी समझौता नहीं करेगा। तेजस्वी की परछाई भी गलत काम करेगी तो उसे भी सजा मिलेगी।''

तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन को केवल सरकार ही नहीं बनानी है, बल्कि बिहार बनाना है। उन्होंने दावा किया, ''नीतीश कुमार जी 20 साल से मुख्यमंत्री हैं और 11 साल से नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री हैं, लेकिन यहां कोई कारखाना नहीं लगा है। सिर्फ रिश्वतखोरी बढ़ी है।'' पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा, ''तेजस्वी गरीबी, बेरोजगारी और पलायन को खत्म करना चाहता है... नीतीश के 20 साल मुख्यमंत्री रहने और नरेन्द्र मोदी के 11 साल तक प्रधानमंत्री रहने के बावजूद बिहार देश का सबसे पिछड़ा राज्य है।'' उन्होंने जनता से एक मौका देने का आह्वान किया और कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद वह काम का 'छक्का' लगा देंगे। उनका कहना था, ''मैं जो कहता हूं वह करता हूं। सत्ता में रहते हुए हमने सभी जाति और धर्म के पांच लाख लोगों को सरकारी नौकरियां दिलवाईं।''

तेजस्वी यादव ने कहा, ''यह मेरा प्रण है कि जिस घर में सरकारी नौकरी नहीं है, उसमें से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाएगी। इस प्रण को पूरा करने के लिए प्राण भी न्यौछावर करना पड़े, तो करेंगे।'' उन्होंने महागठबंधन के कई दूसरे चुनावी वादों को भी दोहराया। राजद नेता ने दावा किया कि नीतीश कुमार सरकार ने महिलाओं को जो 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी है वह उधार है और इस पर ब्याज लगेगा। उन्होंने कहा, ''यह सरकार नकलची है। मेरे वादों की नकल करती है।'' तेजस्वी ने कटाक्ष किया ''मोदी जी फैक्ट्री गुजरात में लगवाएंगे और 'विक्ट्री' बिहार में चाहिए। ऐसा नहीं होने वाला है।'' उन्होंने कहा, ''मोदी जी, अपने सिर्फ बिहार के लोगों को ठगने का काम किया। तेजस्वी टूटी, फूटी और झूठी बातें नहीं करता। तेजस्वी की उम्र जरूर कच्ची है, लेकिन जुबान पक्की है।''

अहमदाबाद विमान हादसे पर बोले एअर इंडिया सीईओ- 'पीड़ितों की मदद के लिए हर प्रयास कर रहे'

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैम्पबेल विल्सन ने कहा कि जून में हुई विमान दुर्घटना प्रभावित लोगों, उनके परिवारों और कर्मचारियों के लिए बेहद विनाशकारी थी। उन्होंने बताया कि एयरलाइन पीड़ितों और उनके परिवारों की आगे की यात्रा को आसान बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'एविएशन इंडिया एंड साउथ एशिया 2025' सम्मेलन में बोलते हुए विल्सन ने बताया कि दुर्घटना की अंतरिम जांच रिपोर्ट के अनुसार विमान, इंजन या एयरलाइन के संचालन में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं पाई गई है।

विमान दुर्घटना के बाद भारत में अपने पहले सार्वजनिक कार्यक्रम में विल्सन ने कहा, 'हम बाकी सभी की तरह अंतिम रिपोर्ट का इंतज़ार कर रहे हैं, और यदि उससे कुछ सीखने को मिला, तो हम उसे ज़रूर अपनाएंगे।' गौरतलब है कि 12 जून को एअर इंडिया की बोइंग 787-8 उड़ान अहमदाबाद से लंदन के लिए रवाना हुई थी, जो हादसे का शिकार हो गई थी। इस दर्दनाक हादसे में 241 यात्रियों समेत कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी।

विल्सन ने आगे कहा कि यह घटना न केवल पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए बल्कि कंपनी के कर्मचारियों के लिए भी गहरा आघात लेकर आई। 'हम प्रभावित लोगों, परिवारों और ज़मीनी स्तर पर कार्यरत टीमों की मदद के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं, ' उन्होंने कहा।

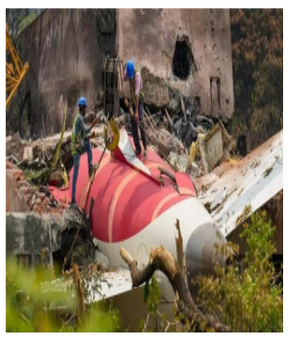

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया ने बताया कि कंपनी ने दुर्घटना पीड़ितों को अंतरिम मुआवज़ा देने की प्रक्रिया पूरी कर ली है और अब अंतिम मुआवज़े पर काम चल रहा है। विल्सन ने कहा, 'विमानन उद्योग में जो कुछ भी होता है, चाहे वह एअर इंडिया के साथ हो या किसी अन्य एयरलाइन के साथ, वह हमें आत्मनिरीक्षण का अवसर देता है। हम लगातार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि ऐसी घटनाएं भविष्य में दोबारा न हों।'

चप्पलों का हार पहनकर मीटिंग में पहुंची भाजपा पार्षद

कांग्रेस बोली- महापौर भाजपा का सरकार भाजपा की, लेकिन हाल-बेहाल

भोपाल (एजेंसी)। देवास नगर निगम परिषद की बैठक में एक बेहद अनोखा और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया। जहां महिला पार्षद गले में चप्पलों की माला पहनकर पहुंची। जी हां वार्ड क्रमांक 24 की भाजपा की पार्षद रितु सवनेर गले में चप्पलों की माला पहनकर पहुंची। भाजपा की ही महापौर, भाजपा की परिषद और भाजपा महिला द्वारा विरोध स्वरूप चप्पलों की माला पहनकर जाना बना चर्चा का विषय बना हुआ है।

भाजपा पार्षद ने आरोप लगाया कि- मेरे वार्ड में विकास कार्य नहीं हो रहे हैं, वार्डवासी मूलभूत सुविधाओं से भी वंचित हैं।

वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्षद ने इसे अपमानजनक बताया और आरोप लगाया कि देवास के 45 ही वार्डों में विकास कार्य ठप्प पड़े हुए हैं। कोई भी महिला पार्षद यदि इस तरह से परिषद की बैठक में पहुंची है, तो निश्चित तौर पर वो दिल पर पत्थर रखकर ही पहुंची है।

वार्ड देवास की क्रमांक 9 से कांग्रेस पार्षद दिपेश कानूनगो के मुताबिक, भाजपा पार्षद को चप्पलों का हार पहनकर आना पड़ा। ये बहुत बड़ी बात है। 45 में से केवल 8 पार्षद कांग्रेस के हैं, बाकी सारे भाजपा के हैं, महापौर भाजपा का है, मुख्यमंत्री भाजपा का है, केंद्र में भाजपा है। सवाल ये उठ रहा है कि जब भाजपा के ही वार्ड में काम नहीं हो पा रहा है तो हम कांग्रेसियों का क्या होगा? ढ्ढकी पार्षद ने अगर ये कदम उठाया है तो ये बहुत बड़ी बात है।

51 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण 20 पर कुल 66 लाख रुपये का इनाम

बीजापुर (एजेंसी)। वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी सफलता के रूप में छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों के सामने 51 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें 20 नक्सलियों पर कुल 66 लाख रुपये का इनाम घोषित था। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण, जिसमें नौ महिला नक्सली भी शामिल थीं, राज्य सरकार द्वारा जारी शांति और पुनर्वास प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के अनुसार, माओवादी सरकार की पुनर्वास नीति और क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों से प्रेरित थे। यादव ने कहा कि हिंसा का रास्ता छोड़ने का उनका फैसला राज्य सरकार के शांति, संवाद और विकास के माध्यम से नक्सलवाद के उन्मूलन के चल रहे अभियान में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

आत्मसमर्पण करने वालों में पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन संख्या 01 और कंपनी संख्या 01, 02 और 05 के पाँच सदस्य शामिल थे। एसपी ने बताया कि इस समूह में क्षेत्रीय समितियों और प्लाटून के सात सदस्य, स्थानीय संगठन दस्ते (एलओएस) के तीन सदस्य, एक मिलिशिया प्लाटून कमांडर, 14 मिलिशिया प्लाटून सदस्य और 20 निचले स्तर के कार्यकर्ता भी शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले कई कार्यकर्ता हिंसक घटनाओं में शामिल थे और बीजापुर तथा आसपास के जिलों के आंतरिक वन क्षेत्रों में सक्रिय थे। उनके आत्मसमर्पण से क्षेत्र में माओवादी नेटवर्क के संगठनात्मक ढांचे के काफी कमजोर होने की आशंका है।

बस्तर रेंज पुलिस की 'पूना मार्गेम' पहल पूरे छत्तीसगढ़ में ज़ोर पकड़ रही है, जहाँ कई पूर्व नक्सलियों ने अपने हिंसक संघर्ष को जारी रखने के बजाय आत्मसमर्पण करने का विकल्प चुना है। कई नक्सलियों ने शांतिपूर्ण जीवन की चाह, बेहतर आजीविका के अवसर और सरकार की पुनर्वास नीतियों में विश्वास को अपने इस फैसले के प्रमुख कारण बताया है। पुलिस अधीक्षक यादव ने बताया कि जनवरी 2024 से अब तक बीजापुर में 650 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जबकि 196 मुठभेड़ों में मारे गए और 986 अन्य गिरफ्तार किए गए।

मैं चाहता हूं कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की गेंदबाजी में अतिरिक्त विकल्प हों : वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप का मानना है कि मेजबान भारत को बृहस्पतिवार को महिला वनडे विश्व कप सेमीफाइनल में मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक अतिरिक्त गेंदबाज के साथ उतरना चाहिए। भारत और ऑस्ट्रेलिया बृहस्पतिवार को नवी मुंबई में दूसरे सेमीफाइनल में भिड़ेंगे। भारतीय टीम पिछले काफी समय से पांच बल्लेबाजों, एक विकेटकीपर और पांच गेंदबाजों (जिनमें से तीन ऑलराउंडर हैं) के संयोजन के साथ मैच में उतर रही है।

विश्व कप से पहले यह संयोजन कारगर दिख रहा था लेकिन दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ लीग चरण की हार में इसकी कमियां उजागर हुईं। भारत को इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने जरूरी मैच में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की जगह विशेषज्ञ तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को लाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

'जियो स्टार' विशेषज्ञ बिशप ने दूसरे सेमीफाइनल की पूर्व संध्या पर कहा, 'मैं चाहूंगा कि भारत के पास गेंदबाजी में अतिरिक्त गहराई हो और बल्लेबाजों को जिम्मेदारी लेने का मौका मिले, चाहे संयोजन कुछ भी हो। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी की गहराई को देखते हुए मैं गेंदबाजी में एक अतिरिक्त विकल्प चाहूंगा। मुझे इतने बड़े मैच में काम चलाऊ गेंदबाज पसंद नहीं हैं। ऊपरी क्रम के बल्लेबाजों का समर्थन करें, वे रन बनाने में माहिर हैं लेकिन गेंदबाजी में हमेशा एक विकल्प मौजूद रहना चाहिए क्योंकि डीवाई पाटिल स्टेडियम की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है।'

भारतीय टीम को इस मैच से पहले सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल होने से बड़ा झटका लगा है। टीम में उनकी जगह शेफाली वर्मा को शामिल किया गया है। इस 58 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि वह अपने खेल में सुधार के लिए मेहनत कर के आ रही है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पिछले कुछ मैचों में वह लय में नहीं दिखी है। लेकिन यह एक मौका है और उसे इसका फायदा उठाने की मानसिकता के साथ आना चाहिए।'

बिशप ने भारतीय टीम को आक्रामक रवैये के साथ मैदान में उतरने की सलाह देते हुए कहा, 'मैं भारत जैसी टीमों को और ज्यादा आक्रामक होते देखना चाहता हूं। एक विकेट लेने के बाद उन्हें अगला विकेट गिरने का इंतजार करने की जगह क्षेत्ररक्षकों को ऐसे तैनात करना चाहिए कि बल्लेबाज आसानी से रन नहीं चुरा सके।'

शाई होप प्रिटोरिया कैपिटल्स में शामिल, विल जैक्स की जगह एसए20 के चौथे सीजन में खेलेंगे

प्रिटोरिया **(एजेंसी)**। वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज और टी20 कप्तान शाई होप को एसए20 लीग के चौथे सीजन से पहले प्रिटोरिया कैपिटल्स ने अपनी टीम में शामिल किया है। वह इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स की जगह लेंगे, जो इस बार अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के कारण टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पाएंगे। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि होप की मौजूदगी से बैटिंग ऑर्डर को गहराई, स्थिरता और अनुभव मिलेगा। उनकी शांत स्वभाव की कप्तानी और निरंतर प्रदर्शन टीम के लिए अहम साबित हो सकता है।

प्रिटोरिया कैपिटल्स ने अपने बयान में कहा कि विल जैक्स इस सीज़न में इंग्लैंड के इंटरनेशनल कमिटमेंट्स के चलते टीम का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। जैक्स ने अब तक फ्रेंचाइज़ी के लिए 27 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 25 पारियों में 740 रन बनाए, 29.60 की औसत और 169.72 के स्ट्राइक रेट के साथ। इस दौरान उन्होंने दो शतक और छह अर्धशतक जड़े। पिछले सीज़न में जैक्स का प्रदर्शन थोड़ा अस्थिर रहा, जहां उन्होंने नौ पारियों में 225 रन बनाए, उनका औसत 25.00 और स्ट्राइक रेट 135.54 रहा। उनका सर्वोच्च स्कोर 64 रन था।

शाई होप टी20 क्रिकेट में एक भरोसेमंद नाम बन चुके हैं। 188 मैचों में उन्होंने 4, 997 रन बनाए हैं, 30.65 की औसत और 129.15 के स्ट्राइक रेट के साथ। उनके नाम तीन शतक और 25 अर्धशतक दर्ज हैं, जबकि उनका बेस्ट स्कोर 106 रन है। पिछले दो सालों में उन्होंने अपने खेल को और निखारा है। इस दौरान 27 मैचों में उन्होंने 36.33 की औसत और 149.31 के स्ट्राइक रेट से 763 रन बनाए, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। उनका नॉटआउट 102 रन का स्कोर उनके पावर-हिटिंग कौशल को दर्शाता है। दिलचस्प बात यह है कि शाई होप ने पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी खेला था, जो प्रिटोरिया कैपिटल्स की सिस्टर फ्रेंचाइज़ी है। उन्होंने उस सीज़न में नौ मैचों में 183 रन बनाए, औसत 22.87 और स्ट्राइक रेट 150 रहा। उनका सर्वोच्च स्कोर 41 रन रहा था। इस अनुभव से होप को फ्रेंचाइज़ी सिस्टम और टीम कल्चर की गहरी समझ पहले से है, जो एसए20 में उनके प्रदर्शन को और बेहतर बना सकती है।

प्रिटोरिया कैपिटल्स के कोचिंग स्टाफ का मानना है कि शाई होप जैसे अनुभवी बल्लेबाज़ की मौजूदगी टीम के मिडल ऑर्डर को मजबूती देगी। होप का स्वाभाविक खेल एंकरिंग और काउंटर-अटैक दोनों के बीच संतुलन बनाए रखता है। कप्तान वेन पार्नेल ने कहा, 'हमारे लिए यह बड़ा मौका है कि हमें शाई होप जैसा खिलाड़ी मिला है। वह खेल को पढ़ना जानते हैं और जरूरत पड़ने पर मैच की दिशा बदल सकते हैं।'

भारत 'उभर चुकी बाजार' अर्थव्यवस्था का दर्जा पाने की राह पर : आरबीआई डिप्टी गवर्नर

मुंबई **(एजेंसी)**। भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने बुधवार को कहा कि लगातार सुधारों और आर्थिक मजबूती के कारण भारत आने वाले दशकों या संभवतः अगले कुछ वर्षों में ही 'उभरते हुए बाजार' से 'उभर चुके बाजार' का दर्जा हासिल कर सकता है। गुप्ता ने कहा कि भारत के नीतिगत ढांचे लगातार विकसित हो रहे हैं और ये इस समय वैश्विक स्तर पर सबसे अच्छे ढाचों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि देश की विनिमय दर 1991 तक विनियमित थी और अब यह तेजी से बाजार संचालित हो रही है। इसके बाहरी खाते का प्रबंधन भी अच्छी तरह से किया गया है।

डिप्टी गवर्नर ने कहा, ''देश के विविध भुगतान संतुलन में अंतर्निहित ताकतें हैं। चालू खाते की बात करें तो वस्तु व्यापार घाटा मजबूत सेवा निर्यात और प्रेषण प्राप्तियों से संतुलित किया गया है। तेल की कीमतें पहले की तरह निराशाजनक नहीं हैं। कुल मिलाकर चालू खाता लचीलापन दर्शाता है और पूरी तरह से टिकाऊ दायरे में है।'' उन्होंने आगे कहा कि महामारी जैसे बड़े झटकों को छोड़कर, भारत ने मोटे तौर पर राजकोषीय समेकन के मार्ग का पालन किया है।

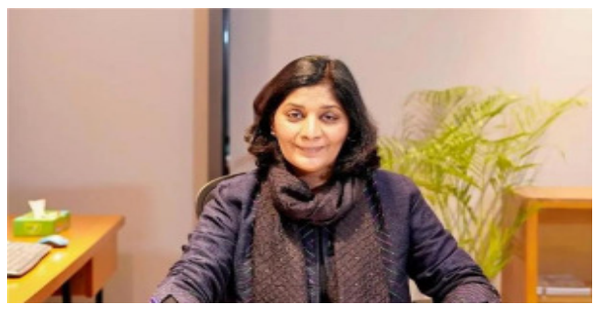

गुप्ता ने कहा, ''लचीले मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण को अपनाने के बाद बेहतर परिणाम मिले हैं। मुद्रास्फीति कम है और कम अस्थिर हो गई है। मुद्रास्फीति संबंधी अपेक्षाएं बेहतर ढंग से स्थिर हैं और मौद्रिक नीति अधिक प्रभावी हो गई है।'' डिप्टी गवर्नर ने कहा, 'ऐसे सामूहिक प्रयास निश्चित रूप से भारत को आगामी दशकों में (और संभवतः आने वाले वर्षों में ही) उभरते हुए बाजार से उभर चुके बाजार की स्थिति में ले जाएंगे।' उन्होंने कहा कि नीतिगत सुधारों के पूरे ढांचे के चलते भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और प्रति व्यक्ति आय वृद्धि दर समय के साथ तेज हुई है।

दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोलवार्ड्ट ने विश्व कप में बनाए सबसे ज्यादा 50 प्लस रन, मिताली की बराबरी की

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोलवार्ड्ट ने अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि हासिल की है क्योंकि उन्होंने महिला वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने के मामले में पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

मिताली का 2022 वनडे वर्ल्ड कप करियर का आखिरी टूर्नामेंट बनाया था और उन्होंने 50 ओवर के वर्ल्ड कप में 13 बार 50 से ज्यादा रन बनाकर अपने करियर का अंत किया था। वोलवार्ड्ट, जो एक नया बेंचमार्क बनाने के करीब थीं, उन्होंने अब बारसापारा स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के दौरान अपना 13वां 50+ स्कोर बनाकर इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

इस 26 साल की खिलाड़ी ने मौजूदा 2025 महिला वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में तीन हाफ-सेंचुरी बनाईं और बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे नॉकआउट मैच में इस सीजन का अपना चौथा 50+ स्कोर बनाया। यह प्रोटियाज बल्लेबाज मिताली राज के साथ इस खास लिस्ट में टॉप पर है जबकि डेबी हॉकले और शार्लोट एडवर्ड्स 12 और 11 फिफ्टी प्लस स्कोर के साथ अगले दो स्थानों पर हैं।

मैं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी का योगदान समझने की कोशिश कर रहा हूं : सुदर्शन

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। भारतीय टेस्ट टीम में तीसरे क्रम पर अपनी जगह पक्की करने की ओर बढ़ रहे युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने कहा कि वह गेंदबाजों पर दबदबा बनाने के लिए इस बल्लेबाजी क्रम के लिए जरूरी रणनीति को सीख रहे हैं। यह खब्बू बल्लेबाज अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट की घरेलू श्रृंखला से पहले दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए के लिए दो (चार दिवसीय) मैचों में खेलेगा।

सुदर्शन ने यहां दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'मैं तकनीकी रूप से अपने फुटवर्क में काफी सुधार कर रहा हूं। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं समझ रहा हूं कि तीसरे नंबर के खिलाड़ी को टीम के लिए क्या करना होता है। मैं इस भूमिका को बेहतर ढंग से समझ रहा हूं और उसे लागू करने की कोशिश कर रहा हूं।

उन्होंने कहा, 'इसमें ज्यादा तकनीकी अंतर नहीं है, क्योंकि मुझे लगता है कि यह रणनीतिक रूप से बेहतर होने के बारे में है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाज से एक कदम आगे रहने के लिए मजबूत रणनीति होना जरूरी है और मैं इस पर काम कर रहा हूं।'' सुदर्शन ने कहा कि विरोधी टीम पर रणनीतिक बढ़त हासिल करना बेहद जरूरी है क्योंकि क्रिकेट के शीर्ष स्तर पर आपकी खामियां जल्दी उजागर हो जाती है। उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आप जिसका (गेंदबाज) भी सामना करते है वह अपने देश का सर्वश्रेष्ठ होता है। ऐसे में अगर आपकी बल्लेबाजी में कोई खामी है तो आप उसके साथ ज्यादा दिन तक बने नहीं रह सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह सब उन रणनीतिक सुधार पर निर्भर करता है जो आप किसी गेंदबाज की ताकत और कमजोरियों के अनुसार उसके खिलाफ इस्तेमाल करते हैं। मुझे लगता है कि मैं अभी यही सीख रहा हूं, शायद मैं इसे और निखार रहा हूं और भारत के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने का सबसे अच्छा तरीका ढूंढ रहा हूं।'

चालू वित्त वर्ष में 7 फीसदी की दर से बढ़ सकती है भारतीय अर्थव्यवस्था : सीईए

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने बुधवार को कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था ने वैश्विक चुनौतियों का मजबूती से सामना किया है और वित्त वर्ष 2025-26 में देश की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर सात प्रतिशत तक पहुंचने की पूरी संभावना है। 'भारत समुद्री सप्ताह' कार्यक्रम में बोलते हुए नागेश्वरन ने कहा कि तीन प्रमुख वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने हाल ही में भारत की साख बढ़ाई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि मौजूदा नीतिगत रुख जारी रहा, तो भारत जल्द ही 'ए' रेटिंग श्रेणी में शामिल हो सकता है।

सीईए ने बताया कि सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के संयमित कदमों ने अर्थव्यवस्था को 'आरामदायक स्थिति' में बनाए रखा है, बावजूद इसके कि दुनिया अभी भी कई अनिश्चितताओं और शुल्क-आधारित तनावों से जूझ रही है। उन्होंने कहा, 'अर्थव्यवस्था की जुझारूपन ने भारत को वैश्विक अस्थिरता के बीच स्थिर बनाए रखा है।'

नागेश्वरन ने यह भी बताया कि आयकर राहत और वस्तु एवं सेवा कर को युक्तिसंगत बनाने जैसे नीतिगत कदमों ने विकास को गति दी है, जिससे अगले वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर सात प्रतिशत तक पहुंच सकती है। फरवरी में उन्होंने यह अनुमान 6.3% बताया था लेकिन अब उन्होंने इसे संशोधित कर सात प्रतिशत के करीब कर दिया है।

बैंक ऋण वृद्धि में सुस्ती की चिंताओं पर उन्होंने कहा, 'हमें सिर्फ बैंक लोन पर नहीं, बल्कि पूरी वित्तीय प्रणाली में संसाधन जुटाने की तस्वीर को देखना चाहिए।' उन्होंने बताया कि गैर-बैंक ऋणदाताओं, वाणिज्यिक पत्रों और इक्विटी बाजारों के जरिए कुल संसाधन जुटाने में पिछले छह सालों में 28.5% सालाना की वृद्धि हुई है।

तेल, गैस की ढुलाई लागत को कम करने के लिए पीएसयू की मांगों को जोड़ा जाएगा : पुरी

मुम्बई **(एजेंसी)**। सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों (पीएसयू) की ढुलाई मांग को एकसाथ जोड़कर भारतीय जहाजरानी कंपनियों के लिए दीर्घकालिक अनुबंध सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। इससे पेट्रोलियम उत्पादों की ढुलाई लागत को कम करने में मदद मिलेगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने आयोजित 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' सम्मेलन में कहा कि सरकार घरेलू स्वामित्व बढ़ाने के लिए 'पोत स्वामित्व एवं पट्टा इकाई मॉडल' को भी आगे बढ़ा रही है।

उन्होंने कहा, ''पेट्रोलियम विपणन कंपनियां कच्चे तेल के आयात के लिए जहाजों का इस्तेमाल करती हैं। हम भारतीय जहाजरानी कंपनियों के लिए दीर्घकालिक अनुबंध सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों की ढुलाई मांग को एकसाथ मिला रहे हैं ताकि जहाजों के स्वामित्व के जरिये बार-बार की ढुलाई पर आने वाली लागत को कम किया जा सके।'' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जहाजरानी क्षेत्र के विकास के लिए 'समुद्री क्षेत्र विकास कोष' और 'पोत निर्माण वित्तीय सहायता योजना' जैसी योजनाओं को भी लागू किया जा रहा है। पुरी ने ऊर्जा और पोत परिवहन को अर्थव्यवस्था के दो अभिन्न स्तंभ बताते हुए कहा, 'हमारी ऊर्जा जरूरतों के लिए जहाजों की भारी मांग है लेकिन जहाज निर्माण की क्षमता मुख्यतः चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों तक सीमित है। उनके पास अगले छह वर्षों के ऑर्डर पहले से ही हैं।'' इसलिए समझदारी भरा कदम यही होगा कि हम उन्हें भारत में निवेश के लिए आमंत्रित करें और यहीं पर जहाज निर्माण शुरू करें।'

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि फिलहाल भारत केवल 20 प्रतिशत तेल और गैस की ही ढुलाई भारतीय-ध्वज वाले जहाजों से करता है। उन्होंने कहा, 'तेल एवं गैस क्षेत्र भारत के कुल व्यापार का 28 प्रतिशत हिस्सा है। अगर हमें आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनना है तो अपने जहाज बेड़े को भी बढ़ाना अनिवार्य है।' भारत कच्चे तेल की 88 प्रतिशत और गैस की 51 प्रतिशत जरूरतों को आयात के जरिये पूरी करता है। पुरी ने कहा, 'हमारा समुद्री क्षेत्र 2047 तक आठ लाख करोड़ डॉलर तक का निवेश आकर्षित करने की क्षमता रखता है।' उन्होंने कहा कि 'भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा' (आईएमईसी) भारतीय बंदरगाहों को यूरोप और अमेरिका से जोड़ेगा, जिससे समुद्री व्यापार में भारत की भूमिका और मजबूत होगी। इस सम्मेलन में पोत, नौवहन और जलमार्ग सचिव विजय कुमार ने कहा कि भारत का मात्रा के लिहाज से 95 प्रतिशत व्यापार और मूल्य के लिहाज से 70 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्ग से होता है।

सेंसेक्स में 368 अंक की तेजी के साथ 84, 997 पर बंद निफ्टी 26, 000 के पार

मुंबई **(एजेंसी)**। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार में तेजी का माहौल बना रहा। बुधवार को सेंसेक्स 368 अंकों की मजबूती के साथ 84, 997 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी करीब 117 अंक चढ़कर 26, 053 के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई इंडेक्स 1, 030 अंकों (2%) की तेजी के साथ 51, 249 पर पहुंच गया। कोरिया का कोस्पी 50 अंक चढ़कर 4, 060 पर है। हालांकि हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 87 अंक गिरकर 26, 346 पर कारोबार कर रहा है, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 14 अंकों की मामूली बढ़त के साथ 4, 002 पर है। अमेरिकी बाजारों में सोमवार को सकारात्मक रुझान रहा। डाउ जोन्स 161 अंक बढ़कर 47, 706 पर बंद हुआ, नैस्डेक कंपोजिट 190 अंक चढ़कर 23, 827 पर पहुंचा, जबकि S&P 500 मामूली बढ़त के साथ 6, 890 पर स्थिर बंद हुआ।

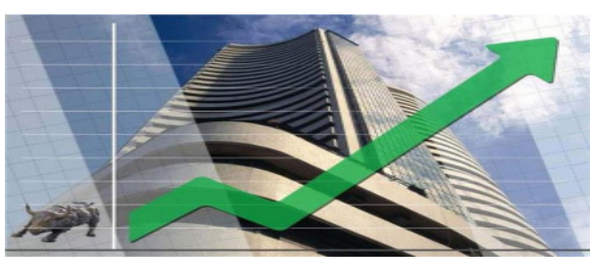

100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई 'थामा', हर्षवर्धन की फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' ने निकाली लागत

बीते हफ्ते सिनेमाघरों में दो फिल्में रिलीज हुई और दोनों ही दर्शकों के दिलों में अपनी-अपनी जगह बनाने में कामयाब हुईं। एक तरफ हॉरर कॉमेडी मूवी 'थामा' थी, तो दूसरी तरफ रोमांटिक मूवी 'एक दीवाने की दीवानियत' थी। 8 दिन में ही आयुष्मान खुराना-रश्मिका मंदाना और हर्षवर्धन राणे-सोनम बाजवा की फिल्मों ने कमाल कर दिया है। एक 100 करोड़ के क्लब में एंट्री ले चुकी है, तो दूसरे ने अपनी लागत निकाल ली है। चलिए जानते हैं इनका कलेक्शन।

आदित्य सरपोतदार द्वारा डायरेक्ट और मैडॉक फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस की गई मूवी 'थामा' बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन से ही अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, बीच-बीच में इसकी कमाई थोड़ी कम जरूर हुई, लेकिन अब रिलीज के 8 दिन में ही यह मूवी 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा 'थामा' ने 8वें दिन मंगलवार को 5.5 करोड़ की कमाई की और इसी के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसका कुल बिजनेस 101.10 करोड़ रुपये हो गया है।

ऐसे में अब यह फिल्म 2025 की उन चुनिंदा फिल्मों में शामिल हो गई है, जिसने इस साल 100 करोड़ के क्लब में एंट्री मारी। बता दें कि सिर्फ देश में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वर्ल्डवाइड यह फिल्म 138.4 करोड़ का कारोबार कर चुकी है।

'थामा' के साथ ही हर्षवर्धन राणे-सोनम बाजवा की फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' ने भी सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। लगभग 50 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 8 दिन में ही अपनी लागत निकाल ली है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, मूवी ने 8वें दिन मंगलवार को 4.35 करोड़ का बिजनेस किया और इसी के साथ फिल्म का कुल कलेक्शन 49.35 करोड़ रुपये हो गया है।

विजय देवरकोंडा से शादी की अफवाहों के बीच वर्क लाइफ बैलेंस पर बोलीं रश्मिका मंदाना- ज्यादा काम से परेशान हूं

दीपिका पादुकोण ने अपनी पर्सनल लाइफ बैलेंस को लेकर आठ घंटे काम करने की मांग की थी, जिसके बाद फिल्म इंडस्ट्री में एक बहस छिड़ गई है। कई हस्तियों ने इसका समर्थन किया है, तो कुछ ने तर्क दिया है कि लंबे काम के घंटे इस पेशे का हिस्सा हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में, रश्मिका मंदाना ने भी इस मुद्दे पर अपनी राय रखी।

बातचीत के दौरान, रश्मिका ने स्वीकार किया कि उन्होंने बहुत ज्यादा काम कर लिया है। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत ज्यादा काम करती हूं और मैं आपको बता रही हूं कि ये बिल्कुल भी सही नहीं है। यह टिकाऊ नहीं है, ऐसा मत कीजिए। वही कीजिए जो आपके लिए आरामदायक हो। वही कीजिए जो आपके लिए सही हो। 8 घंटे की नींद जरूर लीजिए। 9-10 घंटे की नींद भी लीजिए। यकीन मानिए, इससे आपको बाद में आराम मिलेगा। मैंने हाल ही में काम के घंटों को लेकर ऐसी कई बातें सुनी हैं। मैंने दोनों ही काम किए हैं, और मैं आपको बता रही हूं कि ये ऐसा करना सही नहीं है।'

रश्मिका मंदाना ने आगे कहा कि काश अभिनेताओं के भी काम के घंटे तय होते ताकि वे एक हेल्दी वर्क लाइफ बैलेंस बनाए रख सकते। 'लेकिन अगर मैं खुद के लिए चुन सकती, तो मैं कहती, कृपया हम अभिनेताओं को ऐसा करने पर मजबूर न करें। जैसे ऑफिस में 9 से 5 बजे तक काम होता है, वैसे ही हमें भी करने दें। क्योंकि मैं अभी भी पारिवारिक जीवन पर ध्यान देना चाहती हूं, अभी भी अपनी नींद पूरी करना चाहती हूं, और मैं अभी भी वर्कआउट करना चाहती हूं ताकि बाद में मुझे पछतावा न हो। मैं अभी भी अपने भविष्य के बारे में सोच रही हूं, लेकिन अभी मेरे पास कहने का अधिकार नहीं है क्योंकि मैं बहुत ज्यादा काम ले रही हूं।'

इससे पहले एक कार्यक्रम में, निर्माता एसकेएन ने रश्मिका मंदाना की काम के घंटों के लचीलेपन की तारीफ की थी। उन्होंने कहा, 'ऐसे समय में जब इस बात पर बहस चल रही है कि कितने घंटे काम करना चाहिए, पूरे भारत में एक ही हीरोइन है जो जरूरत पड़ने पर जितने घंटे काम करने को तैयार है। वह काम को घंटों के लिहाज से नहीं, बल्कि प्यार से देखती है। उसकी प्रतिबद्धता समय के प्रति है, न कि किसी सीमा के प्रति। यही वजह है कि सभी को रश्मिका परिवार का हिस्सा लगती हैं।' रश्मिका के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो इस वक्त अपनी फिल्म 'थामा' को लेकर चर्चा में हैं। जो अभी भी सिनेमाघरों में चल रही है। वह अगली बार राहुल रविंद्रन द्वारा निर्देशित 'द गर्लफ्रेंड' में नजर आएंगी। यह 7 नवंबर को बड़े पर्दे पर आएगी।